MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd

Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 18 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-314

आज का ग़ुंडाराज!

ट्रंप-पुतिन-जिनपिंग जी-3

बीजिंग, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

वैश्विक राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच अमेरिका, रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व की संभावित बैठक को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को जी-3 का नाम दिया जा रहा है। यदि यह बैठक होती है तो वैश्विक शक्ति संतुलन, क्षेत्रीय संघर्षों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर इसका असर पड़ सकता है।



1945 जैसे बदलते वैश्विक हालात

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की राजनीति में तेजी से बदलाव आया है। विभिन्न देशों के बीच नए समझौते, रणनीतिक साझेदारियां और क्षेत्रीय गठबंधन सामने आ रहे हैं। ऐसे में अमेरिका, रूस और चीन जैसी बड़ी शक्तियों के एक मंच पर आने की संभावना ने मध्यम शक्तियों की भूमिका को लेकर भी चर्चा बढ़ा दी है।

इतिहास में 1945 के बाद वैश्विक व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए थे। उस समय अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ के नेतृत्व ने यूरोप के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय किए थे। आज भी बड़ी शक्तियों के बीच होने वाली बैठकों को इसी ऐतिहासिक संदर्भ में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच प्रस्तावित मक्का समझौते तथा यूरोप में फ्रांस और जर्मनी की बढ़ती रणनीतिक सक्रियता भी बदलते वैश्विक समीकरणों का हिस्सा मानी जा रही है। वहीं, यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की अस्थिरता ने अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को और जटिल बना दिया है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर नजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एक मंच पर संभावित मौजूदगी रूस की अंतरराष्ट्रीय भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पिछले कई वर्षों से यूरोपीय देश रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करते रहे हैं।

ऐसे में यदि अमेरिका और रूस के बीच उच्चस्तरीय बातचीत आगे बढ़ती है तो इसका प्रभाव यूरोप की रणनीति पर भी पड़ सकता है। यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस तरह की बैठक में यूक्रेन युद्ध और यूरोपीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारत की विदेश नीति की चुनौती

बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ती नजदीकी भारत सहित जापान और यूरोपीय देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की विदेश नीति लंबे समय से विभिन्न शक्ति समूहों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने पर केंद्रित रही है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के रजिस्ट्रार डॉ. अमिताभ रंजन ने जी-3 के संदर्भ में कहा कि वैश्विक राजनीति में हमेशा से जोड़-तोड़ और रणनीतिक साझेदारियों का दौर रहा है। आज यह कहना कठिन है कि कौन सा देश किसके साथ पूरी तरह खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ओर यूक्रेन के मुद्दे पर यूरोप के साथ दिखाई देता है, वहीं दूसरी ओर रूस से तेल खरीदने के मामले भी सामने आते रहे हैं। मध्य पूर्व में भी नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं।

बहुपक्षीय मंचों पर भारत की सक्रियता

डॉ. रंजन के अनुसार, भारत ने किसी एक संधि या शक्ति समूह तक स्वयं को सीमित नहीं रखा है। भारत ब्रिक्स, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य है तथा जी-7 की बैठकों में भी आमंत्रित देश के रूप में भाग लेता है।

उनका मानना है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत के लिए विभिन्न देशों के साथ संबंध बनाए रखना और अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

▶8पर

समुद्र की गहराई से साइबर स्पेस तक

हिंद महासागर में केबल बिछाएगा भारत



नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

फिलीपींस की राजधानी मनीला में मंगलवार को आयोजित क्वाड शिखर बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सभी देशों के लिए समान अवसरों वाला क्षेत्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीजी की अध्यक्षता में हुई बैठक में हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी संगठन नाम से एक नई पहल की घोषणा की गई। इसके साथ ही वर्ष 2027 में पहली बार पी-8 और पी-3सी जैसे समुद्री निगरानी विमानों के माध्यम से सैन्य अभ्यास शुरू करने का ऐलान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में क्वाड को एक विश्वसनीय साझेदार बताया। बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणा-पत्र में सीमा पार आतंकवाद सहित सभी प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की गई और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई गई। इससे स्पष्ट है कि क्वाड ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की चिंताओं को प्रमुखता दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शुरुआती संबोधन में कहा कि भारत के लिए क्वाड एक रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी है। समुद्री सुरक्षा, विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला, नई तकनीकों और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में क्वाड का प्रयास पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र को भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जनवरी से अब तक क्वाड देशों के विदेश मंत्री पांच बार बैठक कर चुके हैं। यह इस साझेदारी के प्रति राजनीतिक इच्छाशक्ति और साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ▶8पर

कहानी राजघराने की

4,10,00,00,00,000 पर सिंधिया परिवार में ठनी



नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

ग्वालियर के सिंधिया राजपरिवार से जुड़ा हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति का विवाद अब अदालत में नए मोड़ पर पहुंच गया है। संपत्ति बंटवारे से संबंधित पारिवारिक समझौते को चुनौती देने वाली प्रतिमा देवी 18 नवंबर को अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करेंगी। दूसरी ओर, परिवार की तीनों मौसियों ने अदालत में दिए अपने जवाब में कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर उनकी सहमति से किए गए थे।

प्रतिमा देवी का आरोप है कि उनके साथ धोखाधड़ी कर संपत्ति बंटवारे के समझौते से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। उन्होंने इस संबंध में अदालत में आपत्ति दर्ज कराई है। उनके आरोप ज्योतिरादित्य सिंधिया, वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और ऊषा राजे से जुड़े हैं।

इसके विपरीत, तीनों मौसियों ने अदालत में कहा है कि समझौता किसी दबाव या धोखे के बिना हुआ था। उन्होंने अपनी सहमति से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे।

तीनों मौसियों की ओर से अदालत में समझौते वाले दिन के घटनाक्रम का भी उल्लेख किया गया है। उनका कहना है कि दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के बाद परिवार के सदस्य वहीं रुके थे। इसके बाद सभी ने साथ में पारिवारिक रात्रिभोज किया और तस्वीरें भी खिंचवाई थीं।इस प्रकार एक पक्ष हस्ताक्षरों को कथित धोखाधड़ी का परिणाम बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष उसी दिन साथ बिताए गए समय और तस्वीरों को आपसी सहमति के संकेत के रूप में पेश कर रहा है।

4 नवंबर को हुई सुनवाई के दौरान प्रतिमा देवी की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया था। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख निर्धारित की। वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से पेश वकीलों ने अतिरिक्त समय दिए जाने की आवश्यकता पर आपत्ति जताई थी। ▶8पर

हाँ नहीं और ना भी!

सपा-कांग्रेस सीट शेयरिंग पर कन्फ्यूजन



नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। एक ओर भारतीय जनता पार्टी चुनावी तैयारियों में जुटी है, वहीं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर सहमति के बावजूद सीटों के बंटवारे की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं हुई है। मंगलवार, 17 नवंबर को दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर प्रस्तावित बैठक नहीं हो सकी। इससे गठबंधन की रणनीति को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं।

गठबंधन पर सहमति, सीटों पर पेच

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछले कुछ महीनों में कई बार कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। हालांकि, कांग्रेस को कितनी सीटें दी जाएंगी, इस पर उन्होंने कोई स्पष्ट संख्या नहीं बताई है।

अखिलेश यादव ने 14 नवंबर को दावा किया था कि कांग्रेस ने 181 विधानसभा सीटों की मांग रखी है। वहीं, 17 नवंबर को उन्होंने सीटों के बंटवारे में आपसी सम्मान को प्राथमिकता देने की बात दोहराई।

उनके पिछले बयानों में तीन बातें सामने आई हैं। कांग्रेस को गठबंधन में सम्मानजनक सीटें देना, उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देना और सीटों की संख्या से अधिक गठबंधन की जीत को महत्व देना।

सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर उत्तर प्रदेश के नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद थे। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने दावा किया था कि मंगलवार से समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होगी। हालांकि, समाजवादी पार्टी की ओर से ऐसी किसी बैठक की पुष्टि नहीं की गई थी। परिणामस्वरूप मंगलवार को दोनों दलों के बीच औपचारिक बैठक नहीं हो सकी।कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत स्क्रीनिंग समिति का गठन किया है। ▶8पर

बांग्लादेश में गृहयुद्ध?

हसीना की वापसी से छिड़ सकती हैं नई जंग



नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर उथल-पुथल के संकेत दिखाई दे रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की 16 दिसंबर को स्वदेश वापसी की संभावनाओं को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। बांग्लादेश का विजय दिवस माने जाने वाले इस दिन उनकी वापसी होती है तो देश की राजनीति में नया घटनाक्रम सामने आ सकता है। तख्तापलट के करीब दो साल बाद उनकी संभावित वापसी को लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

तारिक रहमान के सामने दोहरी चुनौती

फरवरी में हुए चुनावों के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान के सत्ता में आने के बाद सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं। देश की अर्थव्यवस्था, कपड़ा उद्योग में वेतन वृद्धि की मांग और राजनीतिक अस्थिरता के बीच शेख हसीना की वापसी का मुद्दा भी महत्वपूर्ण बन गया है।

एक ओर सरकार को प्रतिबंधित अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों से निपटना है, वहीं दूसरी ओर जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियों की प्रतिक्रिया को लेकर भी चिंता बनी हुई है। यदि अवामी लीग के समर्थक सड़कों पर उतरते हैं तो विरोधी संगठनों के साथ टकराव की आशंका बढ़ सकती है।

नए पासपोर्ट की मांग

शेख हसीना ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी उच्चायोग से नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की मांग की है। इसे उनकी संभावित स्वदेश वापसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

यदि बांग्लादेश में अवामी लीग का समर्थन बढ़ता है तो हसीना वापसी का प्रयास कर सकती हैं। वहीं, यदि 16 दिसंबर तक राजनीतिक परिस्थितियां अनुकूल नहीं रहतीं तो पासपोर्ट संबंधी प्रक्रिया को यात्रा टालने का आधार बनाया जा सकता है। हालांकि, उनकी वापसी की तारीख को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

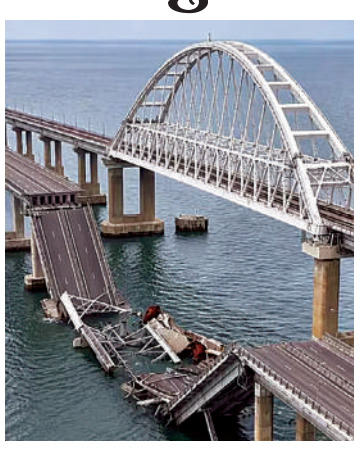
अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 19^0

पुतिन प्राइड ध्वस्त!

30,000 करोड में बने पुल पर यूक्रेनी हमला

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट और रूस की इंजीनियरिंग क्षमता के प्रतीक माने जाने वाले क्रीमिया ब्रिज पर यूक्रेन ने बड़ा हमला किया है। 17 नवंबर को हुए इस हमले में पुल के सड़क वाले हिस्से का एक बड़ा भाग ढह गया। यूक्रेनी सेना ने इसे कई चरणों में अंजाम दिए गए अभियान का परिणाम बताया है। रूस और क्रीमिया के बीच रणनीतिक जीव-नरेखा माने जाने वाले इस पुल पर हमले से रूस को सैन्य एवं परिवहन के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है।



क्रीमिया ब्रिज को केर्च ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है। लगभग 19 किलोमीटर लंबा यह पुल केर्च जलडमरूमध्य के ऊपर बना है और रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र को क्रीमिया प्रायद्वीप से जोड़ता है। पुल के एक हिस्से से सड़क यातायात गुजरता है, जबकि दूसरे हिस्से में दो रेलवे ट्रैक हैं। दोनों हिस्से समुद्र के ऊपर विशाल स्टील ढांचों और खंभों के सहारे बने हैं।

17 नवंबर 2026 के हमले में सड़क वाले हिस्से का विशाल स्टील आर्च और उसके नीचे का लगभग 227 से 270 मीटर हिस्सा समुद्र में गिर गया। रेलवे वाले हिस्से को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। हमले के बाद पुल के दोनों ओर यातायात रोक दिया गया।

रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के बाद इस पुल का निर्माण कराया था। वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पुतिन ने इसके निर्माण का आदेश दिया था। ▶8पर

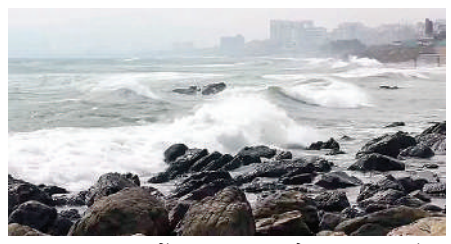
एक और तूफान

आज-कल में आंध्र के तट पर

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात अकवान को लेकर आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, यह तूफानी प्रणाली दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है और उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके 19 नवंबर तक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।मौसम विभाग के अनुसार, 17 नवंबर को चक्रवात चेन्नई से लगभग 610 किलोमीटर पूर्व, मछलीपट्टनम से 660 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व तथा विशाखापत्तनम से 670 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था।

समुद्र की सतह का तापमान और अनुकूल मौसमी परिस्थितियां इसकी तीव्रता बढ़ाने में सहायक हैं। पूर्वानुमान के अनुसार, यह मंगलवार शाम तक गंभीर



चक्रवाती तूफान में बदल सकता है तथा 19 नवंबर की सुबह तक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। तूफान के तट से टकराने के समय हवा की निरंतर गति 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने तथा झोंकों की रफ्तार 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, चक्रवात 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश एवं यानम तट पर नेल्लोर से तुनी के बीच टकरा सकता है। तट से टकराने के बाद इसके कमजोर होकर तेलंगाना की ओर बढ़ने की संभावना है। ▶8पर



बांग्लादेश के कारोबारी दहशत में, रंगदारी न मिलने पर अपराधी कर रहे खूनखराबा

ढाका (बांग्लादेश)

बांग्लादेश के व्यापारी दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं। अपराधी रंगदारी न मिलने पर खूनखराबा कर रहे हैं। राजधानी ढाका के कुछ और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। मोहम्मदपुर और हजारीबाग में एजेआर कूरियर सर्विस के वाहनों और एक गोदाम पर हमला किया गया। रामपुरा में एक इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर के दफ्तर में दो लोगों को गोली मार दी गई। पुलिस और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने राजधानी में 545 रंगदारों और अपराधियों की सूची के आधार पर धरपकड़ तेज कर दी है। फिर भी सवाल उठ रहे हैं कि गिरफ्तारियों के बावजूद रंगदारों का हथियारों के दम पर दबदबा क्यों खत्म नहीं हो रहा है

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11 बजे का समय रहा होगा। राजधानी में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ कार्डियोवैस्कुलर डिसीजेज के सामने और श्यामोली की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के किनारे स्थित अनुराग फार्मेसी में कर्मचारी मोइनउद्दीन ग्राहकों को सेवा दे रहे थे। अचानक, गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही गोलियों का दूसरा दौर चला। गोलियां फार्मेसी के शीशे को तोड़ते हुए मोइनउद्दीन के सिर के ऊपर से निकल गईं। वह बाल-बाल बच गए।

आरोप है कि शूटर बादल और शूटर पप्पू नाम के दो अपराधियों ने फार्मेसी के मालिक से 50 लाख टका की रंगदारी मांगी थी। पैसे न मिलने पर उन्होंने पहले दो देसी बम फेंके। इसके बाद उन्होंने सीधे फायरिंग कर दी। सिर्फ अनुराग फार्मेसी ही नहीं, बल्कि राजधानी के कई हिस्सों में रंगदारी की मांग को लेकर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर फायरिंग, हमले, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। मोहम्मदपुर और हजारीबाग में एजेआर कूरियर सर्विस के वाहनों और एक गोदाम पर हमला किया गया। उसी शाम रामपुरा में एक इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर के दफ्तर में दो लोगों को गोली मार दी गई।

एक के बाद एक हो रही इन घटनाओं से कारोबारियों के बीच चिंता बढ़ रही है। आरोप है कि अपराधी पहले फोन पर कारोबारियों को धमकी देकर उनसे रंगदारी मांगते हैं। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे खूनखराबा करदहशत फैलाते हैं। ऐसे हालात में, कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने राजधानी में 545 रंगदारी वसूलने वालों और अपराधियों की एक सूची के आधार पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। अनुराग फार्मेसी के एक रेस्तरां और एक सुपरशाप को भी निशाना बनाया गया है। इन प्रतिष्ठानों के मालिक सैयद हसन नूर इस्लाम हैं। वे पूर्व पार्षद और अवामी लीग के नेता के रूप में जाने जाते हैं। पता चला है कि 5 अगस्त, 2024 को हुए राजनीतिक बदलाव के बाद से वे देश से बाहर हैं। सूत्रों के अनुसार मोहम्मदपुर इलाके के दो अपराधियों बादल और पप्पू ने हाल ही में उनसे 50 लाख टका की रंगदारी मांगी थी। पैसे न मिलने पर उन्होंने बम और गोली चलाकर दहशत फैलाई। पुलिस ने बताया कि फार्मेसी में हुई गोलीबारी के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

न्यूज ब्रीफ

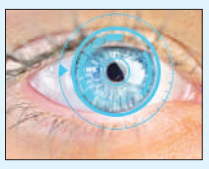
समुद्र तट पर पहुंचते बढ जाती है सुनामी की विनाशकारी क्षमता



वाशिंगटन। सुनामी को प्रकृति के सबसे विनाशकारी रूपों में बेहद खतरनाक माना जाता है। इसकी चपेट में आने वाले तटीय इलाकों में भारी तबाही मच सकती है। समुद्र के भीतर अचानक होने वाली हलचल कुछ ही समय में विशाल जलसैलाब का रूप ले सकती है। सुनामी की समुद्र तट के पास पहुंचते ही ऊंचाई और विनाशकारी क्षमता कई गुना बढ़ सकती है। सुनामी को दुनिया की सबसे खतरनाक प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है। सुनामी जापानी भाषा का शब्द है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। इसमें सु का अर्थ बंदरगाह और नामी का अर्थ लहर होता है। सामान्य लहरें समुद्र की सतह पर चलने वाली हवाओं के कारण पैदा होती हैं, जबकि सुनामी समुद्र के भीतर अचानक बड़ी मात्रा में पानी के विस्थापन से उत्पन्न होती है। यह एक अकेली लहर नहीं, बल्कि शक्तिशाली समुद्री लहरों की पूरी श्रृंखला होती है। सुनामी आने का सबसे प्रमुख कारण समुद्र के नीचे आने वाला शक्तिशाली भूकंप है। पृथ्वी की बाहरी परत कई टेक्टोनिक प्लेटों में बंटी हुई है, जो लगातार गति करती रहती हैं। जब समुद्र के नीचे ये प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे खिसक जाती है, तो भारी ऊर्जा निकलती है। इसके कारण समुद्र की सतह के नीचे मौजूद जमीन अचानक ऊपर उठ सकती है या नीचे धंस सकती है। इससे उसके ऊपर मौजूद पानी का विशाल हिस्सा विस्थापित होकर चारों दिशाओं में फैलने लगता है।

पलकें नहीं रोक पातीं रोशनी को, इसीलिए दिखते है बैंगनी धब्बे

लंदन। कई बार जब हम आंखें बंद करते हैं, तो कभी लाल, नीले, पीले या बैंगनी रंग के धब्बे तैरते



नजर आते हैं। कभी-कभी छोटी-छोटी चमकती रोशनियां और अजीबोगरीब आकार दिखाई देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हमारी पलकें रोशनी को पूरी तरह से नहीं रोक पातीं, वे एक फिल्टर की तरह काम करती हैं। इस वजह से कुछ मात्रा में रोशनी, खासकर लाल रंग की रोशनी, पलकों से छनकर रेटिना तक पहुंच सकती है। यही कारण है कि तेज धूप में आंखें बंद करने पर भी हमें बाहर की रोशनी का हल्का एहसास होता है और पलकों के पीछे लाल-पीला रंग दिखाई देता है। बंद आंखों के पीछे बिना किसी वास्तविक रोशनी के दिखने वाली चमक या रंग को मेडिकल साइंस में फास्फीन कहा जाता है। ये चमकती बिंदुओं, सितारों, रंगीन धब्बों या ज्यामितीय आकृतियों जैसी हो सकती हैं। इसके लिए हमारी आंखों की रेटिना और दिमाग की गतिविधियां जिम्मेदार होती हैं। रेटिना, आंख के पिछले हिस्से में मौजूद एक संवेदनशील परत है, जिसमें फोटोरिसेप्टर सेल्स होते हैं। ये सेल्स रोशनी को इलेक्ट्रिकल सिग्नल में बदलते हैं, जो आप्टिक नर्व के जरिए दिमाग तक पहुंचते हैं। दिलचस्प बात यह है कि रेटिना को सक्रिय होने के लिए हर बार बाहर से रोशनी मिलना जरूरी नहीं है; इसकी प्राकृतिक गतिविधियां भी ऐसे सिग्नल पैदा कर सकती हैं जिन्हें दिमाग रोशनी या रंग के रूप में महसूस करता है। उदाहरण के तौर पर, जब हम आंखें बंद करके पलकों पर हल्का दबाव डालते हैं, तो अचानक चमकते सितारे या रंगीन गोले दिखाई देने लगते हैं।

यूरोपीय संघ ने भारतीय इस्पात पर लगाया 9.5 प्रतिशत एंटी-डंपिंग शुल्क

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत, जापान, ताइवान, तुर्किये और वियतनाम से आयात होने वाले कोल्ड-रोल्ड फ्लैट स्टील उत्पादों पर 27.9 प्रतिशत तक एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का फैसला किया है। यूरोपीय आयोग के अनुसार, ये उत्पाद यूरोपीय बाजार में अनुचित रूप से कम कीमतों पर बेचे जा रहे थे। नए शुल्क 17 नवंबर से लागू होंगे। भारत की जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और अन्य कंपनियों के उत्पादों पर 9.5 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। वहीं, जापानी इस्पात कंपनियों पर 27.9 प्रतिशत और ताइवान की प्रमुख कंपनियों पर मुख्य रूप से 20.7 प्रतिशत शुल्क लगेगा। सहयोग नहीं करने वाली कंपनियों के लिए यह दर 27 प्रतिशत तय की गई है। वियतनाम की कंपनियों पर 16 प्रतिशत, जबकि तुर्किये की इस्पात कंपनियों पर 3 से 7.8 प्रतिशत तक शुल्क लगाया गया है। जापान की निप्पान स्टील और जेएफई स्टील तथा ताइवान की चाइना स्टील कारपोरेशन प्रभावित कंपनियों में शामिल हैं। यूरोपीय इस्पात उद्योग संघ यूरोफर ने 2025 में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। संगठन का कहना है कि कम कीमत पर होने वाला आयात यूरोप के घरेलू उत्पादन और रोजगार के लिए खतरा बन रहा है। उसके मुताबिक, नए शुल्क से बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बहाल करने में मदद मिलेगी। कोल्ड-रोल्ड फ्लैट स्टील का इस्तेमाल कार, विमान, घरेलू उपकरण बनाने और निर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होता है। यूरोपीय संघ में इस बाजार का मूल्य करीब 23.2 अरब यूरो है, जबकि इन पांच देशों से होने वाला आयात लगभग 1.78 अरब यूरो का है।

ट्रंप के फिलीपींस पहुंचने से पहले अमेरिकी एआई परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन

मनीला (फिलीपींस)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फिलीपींस यात्रा से पहले देश में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इन प्रदर्शनों की मुख्य वजह मनीला के उत्तर में प्रस्तावित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और औद्योगिक केंद्र है। स्थानीय लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उनकी जमीन, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंच सकता है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना अमेरिका की अगुवाई वाली अंतरराष्ट्रीय पहल पैक्स सिलिका का हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य चीन पर निर्भरता कम करना और आधुनिक तकनीक से जुड़े उद्योगों के लिए दूसरे देशों में मजबूत आपूर्ति व्यवस्था तैयार करना है। इसके तहत फिलीपींस में 4,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में औद्योगिक केंद्र बनाने की योजना है। मनीला में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप वापस जाओ जैसे नारे लिखे पोस्टर और बैनर लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे का विरोध किया। कुछ पोस्टरों में ट्रंप को जोकर और शैतान के रूप में भी दिखाया गया। लोगों ने पैक्स सिलिका परियोजना को खारिज करने की मांग की। इस परियोजना के विरोधियों का कहना है कि औद्योगिक केंद्र बनने से किसानों और वहां रहने वाले आदिवासी एटा समुदाय को अपनी जमीन छोड़नी पड़ सकती है। इससे इलाके की जलापूर्ति पर भी बुरा असर पड़ने की आशंका है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह परियोजना फिलीपींस में अमेरिकी दबदबा बढ़ाने की कोशिश है। एटा समुदाय के बीच काम करने वाले शिक्षक और वकील मैनिंगिंग विलोग ने कहा, वे हमारी जमीन छीन रहे हैं। वे हमारी



अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर रहे हैं। पैक्स सिलिका केवल अमेरिका के हित में है, हमारे लिए नहीं। प्रदर्शन में शामिल 20 वर्षीय कैसर कार्टिना ने भी परियोजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए एआई से ज्यादा जरूरी रोजमर्रा की जरूरतें हैं। किसानों, पानी और सिगरेट बेचकर गुजारा करने वालों तथा बस चलाने वालों को एआई से क्या लेना-देना है दूसरी ओर, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर इस परियोजना का समर्थन कर रहे हैं। अक्टूबर में उन्होंने कहा था कि इस योजना से देश को आर्थिक रूप से बड़ा लाभ मिल सकता है। उनके मुताबिक, इससे फिलीपींस को आधुनिक तकनीक से जुड़े उद्योगों और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मार्कोस सरकार का दावा है कि इस परियोजना से देश में एक लाख से लेकर एक लाख 30 हजार तक रोजगार पैदा हो सकते हैं।

क्या है पैक्स सिलिका पहल - अमेरिकी विदेश विभाग ने दिसंबर 2025 में पैक्स सिलिका पहल की घोषणा की थी। इसके बाद 25 से अधिक देश इस पहल से जुड़ चुके हैं। इनमें ब्रिटेन, इजराइल, जापान और भारत भी शामिल हैं। फिलीपींस ने अप्रैल में इस पहल पर सहमति जताई थी। इसके बाद वहां औद्योगिक केंद्र बनाने की योजना सामने आई। अमेरिका लंबे समय से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए जरूरी उपकरणों और सेमीकंडक्टर चिप की आपूर्ति को लेकर चिंतित रहा है। उसकी चिंता है कि चीन को अत्याधुनिक चिप हासिल करने का मौका मिल सकता है। इसी वजह से अमेरिका ऐसे देशों के साथ औद्योगिक सहयोग बढ़ाना चाहता है, जो इस क्षेत्र में चीन पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकें। हाल में यह मुद्दा फिर चर्चा में आया है। खबरों के अनुसार, एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के संबंध एक ऐसी कारोबारी महिला से सामने आए हैं, जिस पर चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का संदेह है। उसकी कंपनी की चिप की तस्करी के आरोपों में जांच की जा रही थी। हालांकि, संबंधित कंपनी ने चिप की तस्करी के आरोपों से इनकार किया है। पैक्स सिलिका से जुड़े देशों ने एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी आपूर्ति व्यवस्था, संवेदनशील तकनीक और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लेकर साझा समझ विकसित करने की बात कही गई है। अमेरिकी और फिलीपींस के अधिकारियों के मुताबिक, इस सप्ताह मनीला में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप की यात्रा में पैक्स सिलिका को लेकर किसी बड़ी घोषणा की उम्मीद नहीं है। ट्रंप के बुधवार को फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस से मुलाकात करने की संभावना है। इसके बाद वह चीन के लिए रवाना होंगे। सीबीएस न्यूज ने इस मामले पर अमेरिकी विदेश विभाग से भी प्रतिक्रिया मांगी है। फिलीपींस की संसद के निचले सदन के सदस्य एंटोनियो टिनियो ने कहा कि पैक्स सिलिका को लेकर संसद में किसी विशेष मतदान की योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी यह तय नहीं है कि प्रस्तावित औद्योगिक केंद्र का निर्माण शुरू हो पाएगा या परियोजना सफल होगी।

टिनियो के अनुसार, मनीला में इस परियोजना का विरोध केवल फिलीपींस तक सीमित नहीं है। अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में एआई डेटा केंद्रों के निर्माण का विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा, एआई डेटा केंद्रों का विरोध दुनिया भर में हो रहा है। अमेरिका के चुनाव में भी यह एक बड़ा मुद्दा था। मलेशिया और इंडोनेशिया सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी इसका विरोध हो रहा है। फिलीपींस भी इससे अछूता नहीं है। द मनीला टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एशिया के दौरे पर निकले हैं। इस दौरान उनका मुख्य ध्यान आर्थिक समझौतों और रूस तथा चीन के साथ होने वाली ऐतिहासिक त्रिपक्षीय परमाणु वार्ता पर रहेगा, जबकि वाशिंगटन में उनका प्रशासन नई राजनीतिक परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाल रहा है।

बड़ी नस्लों के कुत्तों में बीमारियों का खतरा रहता है ज्यादा : शोध



वाशिंगटन

छोटी नस्ल के कुत्ते बड़ी नस्ल के कुत्तों की अपेक्षा अधिक लंबी उम्र जीते हैं। वहीं, बड़ी नस्लों के कुत्तों में तेजी से शारीरिक विकास होने के कारण उम्र से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी अधिक रहता है। वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है एक ताजा रिसर्च में। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस अध्ययन से न केवल कुत्तों की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इंसानों की लंबी और स्वस्थ जिंदगी से जुड़े शोध के लिए भी नए रास्ते खुल सकते हैं। यह अध्ययन अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है।

शोधकर्ताओं ने कुत्तों की उम्र में अंतर के पीछे मौजूद आनुवंशिक और जैविक कारणों का पता लगाने की कोशिश की। अध्ययन के लिए डाग एजिंग प्रोजेक्ट में शामिल 894 कुत्तों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें उनके पूरे जीनोम में डीएनए मिथाइलेशन के पैटर्न का अध्ययन किया गया। यह ऐसी जैविक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से डीएनए के मूल क्रम में बदलाव किए बिना जीन की गतिविधियों को नियंत्रित किया जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, डीएनए मिथाइलेशन उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण संकेतक है। अध्ययन में ट्रांसपोसान और विशेष रूप से लाइन-1 नामक आनुवंशिक तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने की क्षमता का उम्र बढ़ने की गति से संबंध दिखाई दिया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इन गतिविधियों को समझकर उम्र बढ़ने के पीछे काम करने वाले जैविक तंत्र की जानकारी हासिल की जा सकती है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी की जीव विज्ञानी लोआ स्नाइडर मैकलर के मुताबिक, कुत्तों की अलग-अलग नस्लों में उम्र का अंतर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने के लिए एक असाधारण माडल उपलब्ध कराता है। बड़ी नस्ल के कुत्ते तेजी से विकसित होते हैं, जिससे उनमें उम्र संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। इसके विपरीत छोटी नस्ल के कुत्तों में यह प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी होती है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि भविष्य में इस शोध से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले आनुवंशिक कारकों की बेहतर जानकारी मिलेगी।

अफ़ग़ानिस्तान में है 280 लाख करोड़ का अमूल्य ख़ज़ाना



काबुल। अफ़ग़ानिस्तान, एक ऐसा देश जो दशकों से युद्ध और अस्थिरता से जूझ रहा है, अपनी ज़मीन के नीचे एक ऐसे विशाल ख़ज़ाने को छिपाए हुए है जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। विभिन्न आकलन के अनुसार, इस देश में मौजूद तेल, गैस, धातुओं, कच्चे माल और अन्य प्राकृतिक खनिज संसाधनों की कुल क़ीमत तीन ट्रिलियन डालर से अधिक आंकी जाती है, जो भारतीय रुपये में लगभग 280 लाख करोड़ रुपये के बराबर है। यह विशाल संपदा अफ़ग़ानिस्तान को दशकों तक आत्मनिर्भर बना सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि देश के पास तीन ट्रिलियन डालर के संसाधन हैं और इसका सालाना सामान्य व विकास बजट लगभग 10 अरब डालर है, तो उसे लगभग 300 साल तक किसी भी बाहरी आर्थिक मदद की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लंबे समय से अफ़ग़ानिस्तान को प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर एक राष्ट्र के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसकी अर्थव्यवस्था हमेशा कमज़ोर रही है। इस विडंबना का कारण यह है कि इन संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी ज़मीन के नीचे दफ़न है और उन्हें निकालने का काम बड़े पैमाने पर शुरू नहीं हो पाया है। इन प्राकृतिक भंडारों की वास्तविक मात्रा और उनकी क़ीमत को लेकर अलग-अलग अनुमान लगाए गए हैं।

ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात का दुनिया पर होगा असर

वाशिंगटन

चीन, रूस और अमेरिका के नेताओं की पहली त्रिपक्षीय बैठक की संभावना ने पूरे यूरोप में चिंता बढ़ा दी है। यह ऐतिहासिक मुलाक़ात दुनिया की भू-राजनीति पर गहरा असर डाल सकती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में मास्को में रेड स्क्वायर स्थित मानेज में एक प्रदर्शनी देखने के दौरान, फरवरी 1945 में हुए याल्टा सम्मेलन की एक मूर्ति के सामने रुककर स्कूली बच्चों से कहा था कि ये तीन प्रमुख शक्तियां थीं, जो युद्ध के बाद दुनिया की व्यवस्था कैसी होनी चाहिए, इस पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए थे। इसके एक दिन पहले, चीन के विदेश मंत्रालय और क्रेमलिन ने घोषणा की थी कि 18-19 नवंबर को पुतिन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक को लेकर बातचीत चल रही है। शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने इस बैठक की पुष्टि की। यह मुलाक़ात शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान होने वाली है।

अक्टूबर में जब पहली बार इस तरह की बैठक की ख़बरें आईं, तो यूरोपीय संघ और यूक्रेन में तुरंत 1945 के याल्टा सम्मेलन की याद ताजा हो गई। उस समय, हिटलर विरोधी गठबंधन के नेताओं ने जर्मनी पर जीत के बाद पूर्वी यूरोप में सोवियत संघ के प्रभाव के विस्तार को स्वीकार किया था। इसके साथ ही जापान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने की स्टालिन की सहमति के बदले



पूर्वी एशिया को लेकर एक गुप्त समझौता हुआ था, जिसमें सोवियत संघ को जापान के दक्षिण सखालिन और कुरील द्वीप समूह दिए गए थे, चीन के पोर्ट आर्थर शहर में सोवियत नौसैनिक अड्डे को बहाल किया गया था और मंचूरिया में विशेष आर्थिक हितों को भी मंजूरी दी गई थी।

तब से, पूर्वी यूरोप में याल्टा शब्द का इस्तेमाल अक्सर ऐसी बड़ी शक्तियों के बीच हुए समझौते के लिए किया जाता रहा है, जिसमें छोटे देशों की परवाह किए बिना दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों में बांट दिया जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा, मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि यह याल्टा टू, थ्री या फोर बने, जहां प्रभाव क्षेत्रों का सिर्फ दोबारा बंटवारा किया जाए।

उन्होंने इसे रूस की दूसरी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया अगर घटनाएं रूसी अधिकारियों द्वारा नए याल्टा की इच्छा को लेकर दिए गए संकेत के अनुसार आगे बढ़ती हैं। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने भी जोर दिया कि यूक्रेन में युद्ध खत्म करने को लेकर होने वाली किसी भी चर्चा में यूरोप को शामिल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि शांति समझौते के अहम मुद्दे, चाहे वे प्रतिबंधों से जुड़े हों या भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था से, यूरोपीय देशों की भागीदारी के बिना हल नहीं किए जा सकते। सभी पक्ष यह बात जानते हैं। हालांकि, बैठक के वास्तविक एजेंडे को लेकर अभी भी स्पष्टता नहीं है।

पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मानहानि का नोटिस, सालिक हुसैन ने लगाए गंभीर आरोप

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

पाकिस्तान मुस्लिम लीग (कायद-ए-आजम) के नेता चौधरी सालिक हुसैन ने पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मानहानि का नोटिस भेजा है। हुसैन ने यह जानकारी दी। पीएमएल-क्यू नेता सालिक हुसैन ने इससे पहले पंजाब सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री मरियम ने उन्हें पांच अरब रुपये का मानहानि का नोटिस भेजा था। नोटिस में सालिक से अपने बयान को वापस लेने की मांग की गई थी। चौधरी सालिक हुसैन पाकिस्तान की संघीय कैबिनेट में प्रवासी पाकिस्तानी और मानव संसाधन विकासमंत्री हैं।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएल-क्यू नेता सालिक हुसैन ने बताया कि उन्होंने मरियम के नोटिस का जवाब देने के साथ-साथ दो नोटिस भी भेजे हैं। उन्होंने कहा कि मरियम और पंजाब की सूचनामंत्री अज़मा बुखारी को भी मानहानि के दो कानूनी नोटिस भेजे हैं।



सालिक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कानूनी नोटिस का औपचारिक जवाब भेज दिया गया है। उन्होंने फिर दोहराया, कानूनी नोटिस के जरिए डराने-धमकाने की कोशिशें मुझे चुप नहीं करा सकतीं और न ही मुझे जनहित और लोगों की भलाई से जुड़े मुद्दों को उठाने से रोक सकती हैं।

उन्होंने ने अपने आरोपों को दोहराते हुए कहा, यह प्रांत भारी कुप्रबंधन और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ऐसे मुद्दों पर डराने-धमकाने के बजाय, थोड़ी आत्म-समीक्षा और जवाबदेही की जरूरत है। पीएमएल-क्यू नेता ने पंजाब और पाकिस्तान के हित में पारदर्शिता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया। एक्स पर एक अलग पोस्ट में सालिक ने बताया, इसके अलावा, मैंने अपने कानूनी सलाहकार के जरिए मानहानि के दो कानूनी नोटिस भेजे हैं। एक नोटिस मरियम नवाज शरीफ को और दूसरा अजमा जाहिद बुखारी को भेजा गया है। पिछले हफ्ते एक इंटरव्यू में सालिक ने कहा कि वह पंजाब में भ्रष्टाचार को लेकर अपनी पिछली बातों पर कायम हैं। उन्होंने मरियम के बयानों को अनुचित और निचले स्तर का बताया। उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि अजमा बुखारी के तीखे बयानों ने इस विवाद को और बढ़ा दिया है। सालिक की ओर से वकील वलीद खालिद के जरिए मरियम को मानहानि का नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस 3 नवंबर, 2026 को अटक में एक सार्वजनिक भाषण के दौरान मरियम द्वारा दिए गए झूठे, बेबुनियाद और मानहानि करने वाले बयानों के संबंध में भेजा गया है। नोटिस में कहा गया है कि ये बयान किसी की प्रतिष्ठा पर अनुचित हमला है और इन्हें बिना किसी कानूनी आधार के दिया और फैलाया गया है। इसमें पंजाब मानहानि अधिनियम 2024 की धारा 2(h) और 3 का हवाला दिया गया है।

नोटिस में मांग की गई है कि इसे मिलने के सात दिनों के भीतर मरियम सालिक पर लगाए गए आरोपों को वापस लें और बिना शर्त माफी मांगें। यह माफी उसी तरह प्रमुखता से दी जानी चाहिए, जिस तरह से उनके मूल बयान प्रकाशित या प्रसारित किए गए थे। इसमें मुख्यमंत्री से यह भी कहा गया है कि वे अपने नियंत्रण वाले अकाउंट्स और चैनलों से इन बयानों को हटा दें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि अगर मरियम की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी और हर्जाने (खर्च और नुकसान की भरपाई) की मांग की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

किस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। हालाँकि उससे दूर होने का ख़याल आपको उदास भी कर सकता है। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अन्दर ताक़त की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फ़ायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक सा-झीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफ़िस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

बहुत ज़्यादा रोमांच और दीवानगी की ऊँचाई आपके तंत्रिका-तंत्र को नुक़सान पहुँचा सकती है। इन दिक़्क़तों से बचने के लिए अपने जज़्बात क़ाबू में रखें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। ख़ाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी-पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। रोमांटिक मुलाक़ात आपकी ख़ुशी में तड़के का काम करेगी। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अनचाहे ख़यालों को दिमाग़ पर कब्ज़ा न करने दें। शांत और तनाव-रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें । आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। ख़ुद को एक ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा इंसान बनाएँ, जो ज़िंदगी की राह अपनी मेहनत और काम से बनता है। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेज़ी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। अपनी शारीरिक-ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी-तोड़ मेहनत कर जल्द-से-जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान-फ़रामोशी इसे तार-तार कर देती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 नवंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी अहोरात्र
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 06:10 तक
योग : ध्रुव प्रातः 08:05 तक
करण : बालव सायं 06:43 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13 ,सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अक्षय-आंवला-कूष्मांड नवमी , युगादि तिथि, दुर्गा नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व 24 नवंबर को

सिकंदराबाद एवं अफजलगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों की ओर से कल से होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब कमेटी के अध्यक्ष सरदार गुरचरन सिंह बग्गा तथा सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा के तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव जी महाराज का 557वां प्रकाश पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष प्रकाश पर्व के आयोजन सिकंदराबाद एवं हैदराबाद की दोनों गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में किए जा रहे हैं। इस उपलक्ष्य में 19, 21, 23 एवं 24 नवंबर को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

19 नवंबर को नगर कीर्तन

19 नवंबर को सिकंदराबाद गुरुद्वारा साहिब से गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया में तथा संगत के सहयोग से विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस नगर कीर्तन की अगुवाई पंच प्यारे साहिबान एवं निशान साहिब करेंगे। नगर कीर्तन दोपहर 3:30 बजे प्रारंभ होकर मनोहर टॉकीज, क्लॉक टावर, नटराज सिनेमा हॉल, पैंटी सर्कल, किंग्सवे, शारदा स्टोर, मोना मार्केट, गुरु शॉपिंग सेंटर एवं अल्फा होटल होते हुए पुनः सिकंदराबाद गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न होगा।

नगर कीर्तन में स्त्री सत्संग, मराठा जत्था नांदेड़, जय तेगंन अखाड़ा श्री अमृतसर तथा दशमेश कलगीघर जत्था सहित विभिन्न जत्थे शामिल होंगे। इस दौरान सिख मार्शल आर्ट गतका के माध्यम से कलाकार अपने हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन करेंगे।

21 नवंबर को अफजलगंज में नगर कीर्तन

21 नवंबर को श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब से दोपहर 3:30 बजे विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा।

इसकी अगुवाई भी पंच प्यारे साहिबान एवं निशान साहिब करेंगे। नगर कीर्तन सिद्दियांबर बाजार, मौजम जाही मार्केट, जामबाग, पुतलीबोली एवं केंद्रीय गुरुद्वारा साहिब होते हुए रात्रि 9 बजे श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न होगा।

इस नगर कीर्तन में जत्था तेरा जत्था, स्त्री सत्संग, मराठा जत्था नांदेड़, साडा विरसा साडा गौरव कीर्तन जत्था, जय तेगंन गतका अखाड़ा श्री अमृतसर तथा दशमेश कलगीघर जत्था शामिल होंगे। विभिन्न जत्थों द्वारा सिख मार्शल आर्ट गतका के माध्यम से अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

23 नवंबर को रात्रि कीर्तन दरबार

23 नवंबर को सिकंदराबाद गुरुद्वारा साहिब में शाम 7 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक विशेष कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा। इसमें भाई जगदेव सिंह, हजूरी ग्रंथी सिकंदराबाद, भाई चरणजीत सिंह, हजूरी रागी जत्था सिकंदराबाद तथा विशेष रूप से भाई मनिंदर सिंह, हजूरी रागी जत्था श्री दरबार साहिब, भाई कमलदीप सिंह चंबा वाले एवं भाई जगतेश्वर सिंह शान पटियाला वाले गुरुव-ाणी आधारित मधुर शब्द कीर्तन प्रस्तुत करेंगे। वहीं, भाई सरबजीत सिंह गोविंदवाल साहिब वाले नाम सिमरन के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे।

24 नवंबर को मुख्य प्रकाश पर्व समारोह

24 नवंबर को नामपल्ली रोड स्थित हैदराबाद के नुमाइश मैदान में विशाल धार्मिक दीवान आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे प्रारंभ होकर दोपहर 3:30 बजे संपन्न होगा।

इस अवसर पर भाई हरविंदर सिंह जी, मुख्य ग्रंथी जी.एस.जी.एस.एस. हैदराबाद, भाई चरणजीत सिंह, हजूरी रागी जत्था सिकंदराबाद, भाई जगदेव सिंह, मुख्य ग्रंथी सिकंदराबाद तथा भाई हरि सिंह, हजूरी रागी, जी.एस.जी.एस.एस. हैदराबाद गुरुवाणी एवं शब्द कीर्तन प्रस्तुत करेंगे।

इसके अतिरिक्त विशेष रूप से श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी जत्थे के भाई मनिंदर सिंह, भाई कमलदीप सिंह चंबा वाले तथा भाई जगतेश्वर सिंह शान पटियाला वाले अपने मधुर शब्द कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत अरदास होगी तथा साध-संगत के सहयोग से अफजलगंज एवं सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के तत्वावधान में गुरु का अटूट लंगर आयोजित किया जाएगा।

प्रकाश पर्व के आगमन के उपलक्ष्य में 24 नवंबर को रात्रि 10 बजे से 25 नवंबर को रात 2 बजे तक श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब में विशाल कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा।

इसमें भाई हरविंदर सिंह, मुख्य ग्रंथी श्री गुरु सिंह सभा, भाई हरि सिंह, हजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, भाई मनिंदर सिंह, हजूरी रागी जत्था श्री दरबार साहिब, भाई कमलदीप सिंह चंबा वाले तथा भाई जगतेश्वर सिंह शान अपने मधुर कीर्तन एवं कथा से संगत को निहाल करेंगे। वहीं, भाई सरबजीत सिंह गोविंदवाल साहिब वाले नाम सिमरन करवाएंगे।

कीर्तन दरबार के समापन पर आरती, पुष्पवर्षा एवं अरदास के पश्चात प्रकाश पर्व के आगमन दिवस के उपलक्ष्य में आतिशबाजी एवं रोशनी का विशेष आयोजन भी किया जाएगा।

संगत से सहभागिता की अपील

समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा, महासचिव सरदार रनबीर सिंह गांधी, सरदार तरनदीप सिंह भाटिया, सरदार सुरेंद्र पाल सिंह खंडूजा, सरदार जगजीत सिंह छावड़ा, सरदार हरेंद्रपाल सिंह बांगा, सरदार कमलजीत सिंह खंडूजा तथा श्री गुरु सिंह सभा, अशोक बाजार, अफजलगंज गुरुद्वारा के अध्यक्ष सरदार गुरचरन सिंह बग्गा, महासचिव सरदार जोगेंद्र सिंह मुजराल, सरदार जगजीत सिंह टूटेजा, सरदार सेवा सिंह सलूजा, अशोक कुमार अरोड़ा, सरदार इंद्रजीत सिंह नारंग, सरदार गुरदीप सिंह छावड़ा, सरदार मनजीत सिंह पाला, सरदार निर्मल सिंह बग्गा, सरदार रविंदर सिंह सरना, सरदार रणजीत सिंह मदान, सरदार सतपाल सिंह चावला, बीबी हरजीत कौर चावला एवं सरदार अमरजीत सिंह चावला सहित दोनों गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

दोनों गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने समस्त साध-संगत से सभी धार्मिक कार्यक्रमों में परिवार सहित शामिल होकर गुरु नानक देव जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

बालनाट्य महोत्सव में कलाकारों ने बिखेरा अभिनय का जादू

दिवंगत अभिनेता सौरभ घारापुरीकर को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कलाभिषेक परिवार और उड्डाण फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में स्व. अभिनेता सौरभ घारापुरीकर के जन्मदिन व बाल दिवस के उपलक्ष्य में सुल्तान बाजार स्थित राधाबाई पलणीटकर हाईस्कूल के सभागार में दो दिवसीय बालनाट्य महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव में कलाकारों ने अपने अभिनय का जादू बिखेरा।

महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक लेझिम से हुई। श्रीमती निवेदिता राजुकर ने संचालन किया। क्लासिकल बेस पर आधारित स्वागत गीत विहान घारापुरीकर ने ताल, आलाप के साथ तल्लीनता से गाया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित सुप्रसिद्ध रंगकर्मी विनय वर्मा, मराठी साहित्य परिषद तेलंगाना की अध्यक्ष डॉ. विद्यामाई देवधर और आईसीएमआर एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद विहान और अमोघ घारापुरीकर बंधुओं ने क्लासिकल बेस पर सरस्वती वंदना गाई।

प्रास्ताविक भाषण में सौ. सरोजताई घारापु-ीकर ने कहा कि किशोरावस्था के बच्चों में निहित प्रतिभा उजागर करने और उन्हें प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कलाभिषेक द्वारा निरंतर इस प्रकार की गतिविधियां चलाई जाती हैं।

उन्होंने कहा, स्व. सौरभ की ऊर्जा से ही हम कला की यह यात्रा आगे बढ़ा सके। सौरभ के लिए नाटक ही प्राण, उनका श्वास रहा। आज उसका सपना साकार होते देखकर हर्ष की अनुभूति हो रही है। जैसे हम उन्हें यह जन्मदिन का उपहार ही दे रहे हैं।

विनय वर्मा ने कहा कि अन्य शहरों की तरह हैदराबाद में भी ऑडियंस का रिस्पॉन्स मिलना चाहिए, क्योंकि थिएटर वाले पैसा, मेहनत लगाकर, दिन-रात रियाज करते हैं।

डॉ. विद्या देवधर ने कहा कि बालनाट्य महोत्सव का आयोजन करना कोई आसान काम नहीं है, यह एक चुनौती है। सौरभ अभिनीत व मंचित '1857 बंड' (1857 का विद्रोह) नाटक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दिवंगत सौरभ ने अथक प्रयासों से प्रगति की ओर कदम बढ़ाए और कलाभिषेक को बुलंदी पर पहुँचाते हुए हम सबने देखा है। समाजोपयोगी गतिविधियों को वे प्राथमिकता देते थे।

मेधा जाधव और अनघा कुरुलकर ने नांदी प्रस्तुत की।

सर्वप्रथम निशुंबिता स्कूल ऑफ ड्रामा के निदेशक डॉ. राम द्वारा निर्देशित मोबाइल। डेथ कॉल्स एकांकी का मंचन किया गया।

महोत्सव में कैप्टन शांति स्वरूप लेले, गोविंद जहागीरदार, नागेश राव आदि भी उपस्थित थे।

कलाकारों ने अभिनय के साथ साथ बेहतर प्रस्तुतीकरण, हावभाव, ऊर्ध्व स्वर, निम्न स्वर की समझ दिखाई दी। विवेकानंद, सावरकर के उदाहरण सामने रखकर कहानी के माध्यम से आदर्श दिखाया गया।

आंवले के वृक्ष की पूजा कर किया वन भोज



मदनूर, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक मास के उपलक्ष्य में कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र स्थित श्रीराम नगर कॉलोनी के निवासियों ने यूनियन बैंक के पीछे श्रद्धापूर्वक वन भोज कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर आंवले के वृक्ष की हल्दी एवं केसर से पूजा कर आरती और दीप पूजा की गई। इसके बाद वृक्ष की छांव में सभी ने सामूहिक भोजन किया। कॉलोनीवासियों ने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में सहायक हैं।

विद्यालय में 7 लाख से बनी सुरक्षा दीवार



डोंगली, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल के हसन टाकली गांव के सरपंच दत्तू ने मंगलवार को बताया कि जुक्कल विधायक टोटा लक्ष्मीकांत राव के निर्देशानुसार स्थानीय विद्यालय में 7 लाख रुपये की निधि से कंपाउंड वॉल का निर्माण कराया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में विधायक से चर्चा कर विद्यालय में शयनकक्ष एवं अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराने का प्रयास किया जाएगा।

सरपंच ने कहा कि उन्होंने गांव में इधर-उधर घूमने वाले स्कूल छोड़ चुके बच्चों का पुनः विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज में प्रवेश करवाया है। उन्होंने स्वयं को जनता का सेवक बताते हुए कहा कि वे निरंतर जनसेवा करते रहेंगे। इस अवसर पर सरपंच ने विद्यालय में मिड-डे मील व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।

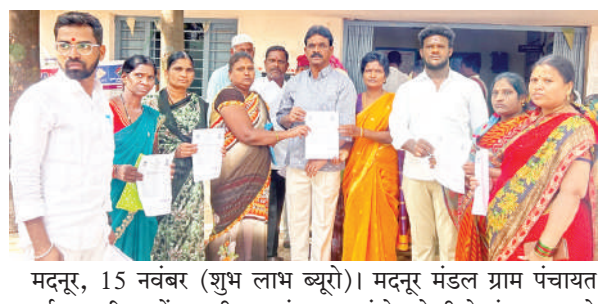
पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहे सिरिकोंडा

मंचेरियाल, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्यामपेट मंडल के कोथागट्टू सिंगाराम गांव निवासी पेमबर्थी मोगिली का हैदराबाद स्थित एनआईएमएस अस्पताल में मस्तिष्क संबंधी गंभीर बीमारी का इलाज चल रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता सिरिकोंडा मधुसूदनचारी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जाना तथा चिकित्सा खर्च के लिए एलओसी के माध्यम से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करवाई।

हालांकि, उपचार के दौरान मोगिली का निधन हो गया। अस्पताल का कुल बिल 3,12,600 रुपये था। 2 लाख रुपये की सहायता के अतिरिक्त 1,12,600 रुपये बकाया होने के कारण शव सौंपने में परे-शानी आ रही थी। जानकारी मिलते ही मधुसूदनचारी एनआईएमएस पहुंचे और अस्पताल निदेशक से बातचीत की। अस्पताल प्रबंधन ने शेष राशि के लिए भी एलओसी के माध्यम से सहायता स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिवार को शव सौंप दिया गया।

बाद में मधुसूदनचारी ने गांव पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। संकट की घड़ी में परिवार के साथ खड़े होकर उन्होंने मानवीय संवेदना एवं जनसेवा का परिचय दिया।

पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित



मदनूर, 15 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में स्थानीय सरपंच उषा संतोष मेस्त्री ने मंगलवार को जुक्कल विधायक टोटा लक्ष्मीकांत राव के निर्देशानुसार विधवाओं, दिव्यांगों एवं एकल महिलाओं को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर सरपंच ने कहा कि सरकार प्रत्येक जरूरतमंद गरीब व्यक्ति को पेंशन उपलब्ध करा रही है। कांग्रेस सरकार गरीबों एवं कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य में जनकल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस माह की 19 तारीख को लाभार्थियों को पेंशन प्रदान की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री को चंदनोत्सव का निमंत्रण



पेद्दापल्ली, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में लगभग 60 वर्षों बाद आयोजित होने वाले चंदनोत्सव महोत्सव में शामिल होने के लिए तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को आमंत्रित किया गया। स्थानीय विधायक डॉ. मेडिपल्ली सत्यम, बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त एम. हनुमंत राव, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी, पर्यवेक्षक सुनील कुमार, वेदपारायणदार, पुजारियों एवं मंदिर कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें निमंत्रण पत्र सौंपा।

शुक्र-चंद्र देते हैं प्यार का उपहार

जब दो कुंडली के मिलान में ग्रहों का माकूल साथ हो तो प्रेम भी होगा और प्रेम विवाह भी। ज्योतिष की मानें तो चंद्र और शुक्र का साथ किसी भी व्यक्ति को प्रेमी बना सकता है और यही ग्रह अगर विवाह के घर से संबंध रखते हों तो इस प्रेम की परिणति विवाह के रूप में तय है। ऐसा नहीं कि एस्ट्रोलॉजी को मानने से व्यक्ति के नेचर की इंपोर्टेंस कम हो जाती है लेकिन इतना तय है कि ग्रहों का कॉंबिनेशन आपके जीवन में विरह और मिलन का योग रचता है। ज्योतिषाचार्य पं. प्रहलाद पंड्या कहते हैं कि किसी भी व्यक्ति के प्रेम करने के पीछे ज्योतिषीय कारण भी होते हैं। कुडली में शुक्र और चंद्र पॉवरफूल हैं तो किसी भी जातक का प्रेम में पड़ना स्वाभाविक है। कुंडली में पाँचवाँ घर प्रेम का होता है और सातवाँ घर दाम्पत्य का माना जाता है। लग्न, पंचम, सप्तम या एकादश भाव में शुक्र का संबंध होने से प्रेम होता है। जब पाँचवें और सातवें घर में संबंध बनता है तो प्रेम विवाह में तब्दील हो जाता है। पं. पंड्या के मुताबिक शुक्र या चंद्र के अलावा टॉरस, लिब्रा और कैंसर राशि के जातक भी प्रेम करते हैं।

पं. विष्णु राजोरिया के अनुसार वीनस और मून प्रेम विवाह करवाते हैं तो सूर्य की मौजूदगी रिलेशनशिप में अलगाव का कारण भी बनती है।



सूर्य और शुक्र या शनि का आपसी संबंध जोड़े को अलग करने में मुख्य भूमिका निभाता है। सप्तम भाव का संबंध यदि सूर्य से हो जाए तो भी युवा प्रेमी युगल का नाता लंबे समय तक नहीं चलता। इनकी युति तलाक तक ले जाती है। अब आँखें चार हों तो कुंडली देख लें, संभव है शुक्र और चंद्र का साथ आपको प्रेमी बना रहा हो।

हफ्ते के सात दिन के सात लकी कलर

आज कौन-सा रंग पहनें कि दिन सफल हो जाए



रंगों का अपना एक विशेष महत्व है। रंग व्यक्तित्व को निखारते हैं। खुशी का अहसास कराते हैं। मन की भावनाएं भी दर्शाते हैं। कई रोग भी रंगों द्वारा ठीक किए जाते हैं जिन्हें हम कलर थैरेपी के नाम से जानते हैं। तो क्या रंग हमारे भाग्य को तय करने में भी कोई भूमिका निभाते हैं? जो लोग इस पर विश्वास करते हैं, उनका तो जवाब यही है कि हां! दिन के हिसाब से रंग का चुनाव फायदेमंद है....।

सोमवार- सोमवार यानी सौम्य शीतल चंद्रमा का दिन। इसलिए इस दिन का रंग है सफेद, चमकीला या सिल्वर कलर। इस दिन पीच,बेबी पिंक, क्रीम, आसमानी और हल्का पीला भी पहना जा सकता है। लेकिन निर्विवाद रूप से सफेद पहनना शुभ होता है। दिन को खुशनुमा व शांतिपूर्ण चाहते हैं तो सफेद के सिवा कोई दूसरा विक्ल मत सोचिए।

मंगलवार - यह हनुमानजी का दिन है। उनकी मूर्तियों में भगवा रंग में देखा है। इसलिए इस दिन का विशेष रंग है भगवा, जिसे अंग्रेजी में ऑरेंज कलर कहते हैं। इस दिन के ग्रह 'मंगल' के हिसाब से चैरी रेड या लाल के मिलते-जुलते शेड्स भी सौभाग्य के द्वार खोल सकते हैं। दुश्मन को परास्त करना हो तो इस दिन पराक्रम बढ़ाने के लिए लाल रंग अवश्य धारण करें।

बुधवार- तीसरा दिन होता है देवों के देव गणपति का, जिन्हें सबसे ज्यादा प्रिय है दूर्वा। इसलिए इस दिन हरे कलर का महत्व है। बुध ग्रह स्वयं भी हरे रंग का होता है। अत: जिन लोगों की वाणी में अवरोध हो या जिनकी वाणी कर्कश हो उन्हें हल्का हरा रंग सूट करेगा। लेकिन जो लोग उग्र वाणी के हैं उन्हें श्वेत रंग पहनना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार चन्द्र बुध की माता है और बुध के दोषों का शमन करने के लिए चन्द्र को तेजस्वी बनाना चाहिए। दूसरे शब्दों में चन्द्र से बुध दबता है।

गुरुवार- यानी हफ्ते का चौथा दिन, जो बृहस्पति देव और साईं बाबा का है। बृहस्पति देव स्वयं पीले हैं, तो इस दिन का रंग है पीला।इस दिन पीले के अलावा सुनहरा, गुलाबी, नारंगी और पर्पल भी ट्राय कर सकते हैं। लेकिन पीले के सभी शेड उत्तम है। दिन विजयी होगा।

शुक्रवार- यह देवी मां का दिन होता है, जो सर्वव्यापी जगतजननी हैं। इसलिए यह दिन सभी रंगों का मिक्स या प्रिंटेड कपड़ों का होता है। इस दिन विशेष रूप से गुलाबी के सारे शेड्स और रंगबिरंगे फ्लोरल प्रिंटेड परिधान पहने जा सकते हैं। लंबी धारी वाले, चैक्स और छोटी प्रिंट के कपड़े इस दिन पहनिए और सफलता हासिल कीजिए। इस दिन हमेशा साफ-सुथरे उजले कपड़े पहनना चाहिए।

शनिवार- शनि देवता को समर्पित इस दिन नीला कलर पहना जाता है। यह रंग मन के उतार-चढ़ाव का होता है। आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए जामुनी, बैंगनी, गहरा नीला और व्यवस्थित दिनचर्या के लिए नेवी ब्लू, स्काय ब्लू उचित रहेंगे। आमतौर पर शनिवार को नौकरी और शादी की पहली बातचीत के लिए अच्छा दिन माना जाता है। शनि अगर अनुकूल हो तो स्थिरता देते हैं। अत: इस दिन नीले के सारे शेड आपको सफलता देंगे।

रविवार- सूर्य की उपासना के इस दिन गुलाबी, सुनहरे और संतरी रंग का विशेष महत्व है। इस दिन नए कपड़े नहीं पहनने की सलाह दी जाती है। लेकिन खिले-खिले रंगों के पुराने परिधानों को रविवार के दिन पहनने से सप्ताह भर की थकान दूर हो जाती है।

कुछ रंगों से हमारा अच्छा तालमेल होता है, जो हमें 'पॉजीटिव एनर्जी' देते हैं। इसलिए कुछ खास रंग हमें ज्यादा आकर्षित करते हैं। इसे ही 'कलर साइंस' या रंग विज्ञान कहा जाता है। लेकिन ज्योतिष पर यकीन करने वाले भी दिन के लिहाज से रंगों का चयन करने लगे हैं।

बड़े लोगों और बड़े शहरों से शुरू हुआ यह विश्वास अब मझोले शहरों के लोगों में पैठ बनाता जा रहा है। छोटे शहर में भी ऐसे कई लोग हैं, जो खास दिन में खास रंग के कपड़े पहनने को वरीयता देते हैं।



खोलो मन के द्वार, सपने आते हैं



सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

सपनों की दुनिया बड़ी रहस्यमयी होती है। हम में से कोई नहीं जानता कि क्यों सपनों में हम ऐसी जगह पहुँच जाते हैं जहाँ जाने की कभी हमने कल्पना भी नहीं की थी। दार्शनिक शैली के अनुसार, 'जीवन एक स्वप्न है और मृत्यु गहरी नींद, जो जल्दी या देर से हम सभी को प्राप्त होती है।'

आइए, जानें कुछ खास सपनों के प्रतिफल

बादाम- सपने में बादाम देखने का अर्थ है आपका भविष्य सुरक्षित है। यह सुखी जीवन का संकेत है।

क्रोध- अगर आप सपने में देखते हैं कि आप किसी पर क्रोध कर रहे हैं तो इसका मतलब है आप उस व्यक्ति से बेहद प्यार करते है। अगर कोई आप पर नाराज हो रहा है तो इसका भी मतलब यही है कि वो व्यक्ति आपसे प्यार करता है।

गंजा- सपने में गंजापन देखना आने वाली बीमारी का सूचक है।

बिस्तर - सपने में बिस्तर बिछाते हुए स्वयं को देखना स्थान परिवर्तन का सूचक है।

मक्खन - यह प्रसन्नता का सूचक है।

कॉफी - यह खुशहाल विवाहित जीवन का प्रतीक है।

हीरे - सपने में हीरे दिखाई देना अपार संपत्ति का सूचक है।

यह सूची कभी खत्म नहीं हो सकती। फिलहाल, हमारा तो यही कहना है कि खोलों मन के द्वार, सपने आते हैं जीवन की सुनहरी आशा बनकर।

आपकी हैंडराइटिंग कैसी है?



हैंडराइटिंग एनालिसीस कोई नया साईंस नहीं है, बल्कि प्राचीन काल से ही रिसर्च का इंटरेस्टिंग फील्ड रहा है। समय-समय पर गुफाओं के प्राचीन भित्ति चित्र, काष्ठशिल्प, प्रतीकों, चिन्हों का विश्लेषण कर उस समय के मानव की भावनाओं को जानने की कोशिश की है। हैंडराइटिंग की थ्योरी आज से लगभग 5 हजार वर्षों पूर्व ही तैयार हो गई थी।

हैंडराइटिंग पर पहली बुक इटली के नैक्ली बाल्डी द्वारा 1932 में लिखी गई। इस तरह की पुस्तकों के अध्ययन से मनोवैज्ञानिक, पुलिस, व्यापारी तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी हासिल करने में विशेष सहायता मिली।

हैंडराइटिंग को राइटिंग ऑफ ब्रेन कहा जाता है। क्योंकि अनुभवी हैंडराइटिंग एक्सपर्ट के लिए यह किसी लेखक की अनकांशियस फीलिंग्स को एक्सप्रैस करता है। हर व्यक्ति की हैंडराइटिंग की एक खासियत होती है और एक ही व्यक्ति की हैंडराइटिंग में चैंजेस, कमजोरी, हड़बड़ी, जल्दबाजी, उत्तेजना या बीमारी के कारण आ सकते है। किंतु ध्यानपूर्वक देखा जाए तो इन कारणों के साथ ही? किसी की पर्सनेलिटी पहचानी जा सकती है।

जहाँ एक पर्सनेलिटी के आकलन और मेंटल व फीजिकल हेल्थ का प्रश्न है, हैंडराइटिंग का महत्व स्पष्ट है। हर व्यक्ति की हैंडराइटिंग में अक्षरों की बनावट, प्रेशर, स्पीड आदि में डिफरेंस होता है।

कुछ व्यक्ति गोल, बड़े साफऔर कुछ व्यक्ति छोटे, घिचपिच, अस्पष्ट अक्षर लिखते हैं। लिखावट में भी जोर देकर या हल्के हाथों से लिखते हैं। इन बातों का बारीकी से मुआयना कर व्यक्ति के स्वभाव आदि के बारे में जाना जा सकता है। जो व्यक्ति सीधा लिखते हैं तो इसका मतलब है कि ऐसे व्यक्ति बिंदास और कान्फिडेंट होते हैं। आसानी से बहकावे में नहीं आते हैं। ये कल्पनाशील और दूरदृष्टा नहीं होते हैं, परंतु व्यवस्थित और नियमित रूप से काम करना इनकी आदत में शामिल होता है। सीधी हैंडराइटिंग वालों में कम्यूनिकेशन का अभाव पाया जाता है। ये सेल्फशि और हाईली क्वालिफाइड होते हैं। अपने टैलेंट को यूज करने में स्मार्ट होते हैं। इस तरह की हैंडराइटिंग मीनिस्टर, मैनेजर और करियर कॉंशियस यूथ में पाई जाती है।

इंट्रोवर्ट व्यक्ति की लिखावट में बाईं ओर झुकाव होता है। ऐसे व्यक्ति शर्मीले और संकोची स्वभाव के होते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये लोग अपने इगो के प्रति सेंसेटिव होते हैं। ऐसा युवावस्था में हार्मोनल प्रॉब्लम्स के कारण होता है। ये अपने परिवार को खूब प्यार करते हैं। काफी सावधानियाँ बरतने के बावजूद धोखा खा जाते हैं।

हैंडराइटिंग में ज्वाइंट्स लेटर्स(संयुक्ताक्षर) अधिक होने पर लगातार बदलने वाली मानसिक प्रक्रिया की सूचना मिलती है। इस तरह की लिखावट वाला व्यक्ति तर्क अधिक करता है। ये ओवर सेंसेटिव तथा हेल्पिंग नेचर के होते हैं। कभी-कभी अक्षरों में अत्यधिक संयुक्तता व्यक्ति में कंजूसी और शक्की प्रवृत्ति को भी दर्शाती है।

कुछ व्यक्तियों की हैंडराइटिंग छोटे आकार की होती है। ऐसा व्यक्ति अपनी एनर्जी को सोचने-विचारने में अधिक लगाता है। इस तरह की लिखावट वाले थ्योरिटीकल ब्रैन वाले हो सकते हैं। उनमें कॉन्सट्रैशन और कॉन्फिडेंस का अभाव भी झलकता है। इसके विपरीत ब्रॉड हैंडराइटिंग वाले स्ट्रॉंग होते हैं। ब्रॉड हैंडराइटिंग अक्सर टफ नेचर वालों की होती है। शब्दों में गैप यह दर्शाता है कि व्यक्ति फ्रैंक हैं।

विश्लेषण के लिए हैंडराइटिंग को तीन स्पष्ट कैटेगरी में बाँटा गया है। जिन्हें कोणीय, मालावत तथा धागावत जैसे नामों से जाना जाता है।

कोणीय : झगड़ालू किस्म के हो सकते हैं।

मालावत : लीडरशीप के बजाय फॉलो करने में विश्वास रखते हैं।

धागावत : अवसरवादी व्यक्तियों में धागावत लेखन पाया जाता है जो कि खुद को सिचुएशन के अनुसार बना लेते हैं।

सिर्फ हैंडराइटिंग से ही व्यक्ति के पर्सनेलिटी का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, फिर भी एक हद तक सतही जानकारी हासिल की जा सकती है, किंतु प्रैक्टिस के सहारे एक्सपर्ट बनना मुश्किल नहीं है।

जानिए मंगल ग्रह का उत्पत्ति स्थल!

स्कंधपुराण के अंवतिका खंड में मंगल ग्रह ही उत्पत्ति से जुड़ी रोचक कथा मिलती है कि अंधाकासुर नामक दैत्य ने शिव से वरदान पाया था कि उसकी रक्त की बूंदों से नित नए दैत्य जन्म लेते रहेंगे। इन दैत्यों के अत्याचार से त्रस्त जनता ने शिव की आराधना की। तब शिव शंभु और दैत्य अंधाकासुर के बीच घनघोर युद्ध हुआ।

ताकतवर दैत्य से लड़ते हुए शिवजी के पसीने की बूंदें धरती पर गिरीं, जिससे धरती दो भागों में फट गई और मंगल ग्रह की उत्पत्ति हुई। शिवजी के वारों से घायल दैत्य का सारा लहू इस नए ग्रह में मिल गया, जिससे मंगल ग्रह की भूमि लाल हो गई।



दैत्य का विनाश हुआ और शिवजी ने इस नए ग्रह को पृथ्वी से अलग कर ब्रह्मांड में फेंक दिया। इस दंतकथा के कारण जिन लोगों की पत्रिका में मंगल भारी होता है, वह उसे शांत करवाने के लिए इस मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। इस मंदिर में मंगल को शिव का ही स्वरूप दिया गया है।

पंडित दिनेश दुबे के अनुसार इसी जगह से भूमि पुत्र मंगल ग्रह की उत्पत्ति हुई है और कहीं से नहीं। इसीलिए यहां पर मंगल दोष की शांति की जाती है। दही और भात से यहां मंगल ग्रह की पूजा की जाती है। लाल वस्त्र, गेहूं, गुड, तांबा और कनेर के पुष्प मंगल ग्रह की ये पांच वस्तुएं है जिन्हें दान किया जाता है। मेष और वृश्चिक राशि के अधिपति स्वामी मंगल के मंगल दोष का निवारण सिर्फ यहीं किया जाता है।

मंगलनाथ पर मंगल ग्रह की शांति!

मंगलनाथ के पुजारी के महंत अमर भारती ने बताया कि स्कंदपुराण में बताया गया है कि भगवान शंकर के द्वारा मंगल की उत्पत्ति हुई है। अंधकासुर नाम के दैत्य से शिव ने यहां युद्ध किया था, उस दौरान उनके मस्तक से भूमि पर पसीना गिरा। तो भूमि के गर्भ से एक अंगार क्षीण लिंग उत्पन्न हुआ उसमें से बालक प्रकट हुआ। बालक ने प्रण कर लिया और इस तरह



अंधकासुर का नाश हुआ। जिस किसी की भी पत्रिका में मंगल दोष है तो उसका निवारण उज्जैन के मंगलनाथ के दर्शन-पूजन से हो जाता है। यह पूरे विश्व का नाभि स्थल है। यही नहीं पृथ्वी का गर्भ स्थल भी यहीं है।

ज्योतिषाचार्य मनोहर गिरि से हमने पूछा कि आखिर क्या महत्व है इस स्थान का... तो उन्होंने कहा की जिस किसी की भी कुंडली में चौथे, आठवें और बारहवें स्थान पर मंगल हो तो यहां मंगल ग्रह की शांति कराई जाती है। यहा कई बड़ी हस्तियों ने मंगल दोष का निवारण कराया है। विश्व में मंगल दोष निवारण का यही एकमात्र स्थान है। मंगलनाथ मंदिर के पुजारी देवेंद्र तिवारी ने दूध, दही और चावल से मंगल पूजा का महत्व बताया। कर्क रेखा और मध्य रेखा यहां से ही गुजरती है।

मन को शांति और ऊर्जा देते हैं पौधे



सोच में बदलाव लाते हैं पौधे

घरेलू बगिया में कुछ पौधे औषधि के साथ-साथ धार्मिक महत्व के भी होते हैं। घरेलू गार्डन में रंगबिरंगे फूलों के साथ-साथ शुभांक माने जाने वाले पौधे रोपने का चलन खास हो गया। इन पौधों से लोगों की धारणाएं एवं वैचारिक मानसिकता भी कहीं न कहीं जुड़ी होती हैं।

इनकी सुंदरता को देखकर मन पुलकित हो उठता है। घर में पवित्रता का वातावरण निर्मित करते यह फूल और पेड़-पौधे गार्डनों की शोभा बनकर मन को आनंदित कर देते है।

इस संबंध में कई युवाओं का मनाना है इन पर दृष्टि पड़ते ही हमारे स्वाभाविक सोच में त्वरित परिवर्तन आता है। मन में सकारात्मकता बढ़ने लगती है। मन में पढ़ाई और कुछ कर दिखाने के प्रति जज्बा बढ़ने लगता है।

घर के वातावरण को रमणीय बनाने वाले इन प्राकृतिक फूलों का कोई अन्य विकल्प ही नहीं हैं। गार्डनों की शोभा बने पुष्प हमेशा मुस्कराते रहते हैं और हमें धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा देकर हमारे जीवन का मार्ग प्रशस्त करते है।

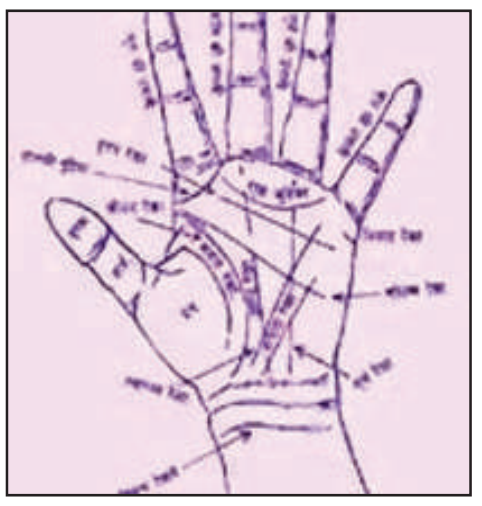
कुछ विद्वान राशियों के अनुसार पौधे रोपने और उनका पूजन करने की सलाह देते हैं।

ऐसा इस आधार पर किया जाता है कि हर पौधे में किसी ना किसी देवता का निवास माना जाता है। राशियों के स्वामी और उनके देवता भी सुनिश्चित होते हैं अत: उनके अनुसार ही यहं निर्धारित किया जाता है कि किस राशि वाले जातक को किस पौधे या वृक्ष की पूजा करनी चाहिए।

लेकिन सामान्य रूप से घर की सुख शांति के लिए कुछ फूलों का विशेष महत्व है। इन फूलों में मधुकामनी, विष्णुकांता, चंपा चमेली, तुलसी, नीम, शमी, सदा सहागन आदि शामिल हैं।

हाथों की बनावट से जानें स्वभाव

मोटे हाथ वाले होते हैं आरामपसंद



किसी भी व्यक्ति के साथ जब तक कुछ समय न बिताया जाए, उसके स्वभाव का अनुमान लगाना संभव नहीं होता। जन्मकुंडली से मनुष्य का खाका अवश्य खींचा जा सकता है, मगर यदि जन्मकुंडली न हो तो केवल हाथों का अवलोकन करें और जान लें कि व्यक्ति आपके लिए लाभदायक है या नहीं -

- हाथ बड़ा व चौड़ा है तो व्यक्ति हर काम को खूब बारीकी से, देख परख करता है। ये व्यक्ति परफेक्शनिस्ट हो सकते हैं। छोटे हाथ वाले व्यक्ति जरा जल्दबाज होते हैं व काम जल्द निपटाने में दिलचस्पी रखते हैं।
- हाथ छूने में पतला, कठोर और सूखा हो तो व्यक्ति रिस्क नहीं लेते। एक बँधी बँधाई लीक पर चलने के लिए तैयार होते हैं। ये जल्दी घबरा जाते हैं, चिंता करना इनका स्वभाव होता है।
- हाथ लचीला, मजबूत हो, संतुलित हो तो व्यक्ति अच्छे स्वभाव का, स्फूर्तिवान, समझदार होता है। ये सकारात्मक सोच वाले होते हैं।
- यदि हाथ वर्गाकार, मोटा, भरा हुआ और कोमल हो तो व्यक्ति आराम पसंद होता है। मेहनत करने से घबराता है और विषय-भोग में रुचि रखता है।
- हाथ कोमल, शिथिल व पिलपिला हो, पीली रंगत लिए हो तो ये व्यक्ति रोग का शिकार जल्दी होते हैं। जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण अपनाते हैं व अविश्वासी होते हैं।
- हाथ अत्यधिक गद्देदार हो, रेखाएँ गहरी न कालापन लिए हो, बीच का गड्ढा गहरा हो तो ये व्यक्ति अपनी गलतियों के कारण जीवन में असफल रहते हैं और फ्रस्ट्रेशन का शिकार हो जाते हैं।
- अधिक लंबी उँगलियाँ देखने में भले ही सुंदर लगती हों मगर ये अधिक कल्पनाशीलता व ख्याली पुलावों की प्रतीक हैं। यदि हाथ का आकार नुकीला हो तो ये व्यक्ति अपनी सादगी, अति विश्वास व असावधानी के चलते धोखे का शिकार हो सकते हैं।
- हाथ यदि चपटा, चमचाकार व कठोर हो तो ये व्यक्ति आत्मनिर्भर, लगन रखने वाले और खोजी होते हैं मगर जिद और चिड़चिड़ाहट भी इनका मूल स्वभाव होता है।
- जब उँगलियाँ और हथेली एकदम बराबर लंबाई की हो तो ये व्यक्ति समय के पाबंद अनुशासन प्रिय व व्यावहारिक होते हैं। अच्छे मार्गदर्शक हो सकते हैं।

विशेष : जब उँगलियाँ हथेली की तुलना में छोटी हो तो जीवन में सफलता का प्रतिशत कम हो जाता है। बराबर (उँगलियाँ व हथेली) लंबाई सफलता सुनिश्चित करती है।



क्यों जरूरी है ब्लड सर्कुलेशन



रक्त मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूरे शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम रक्त ही करता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्वस्थ्य रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम भी ब्लड ही करता है। रक्त वाहिनियों की शाखाएं और घुमाव रक्त संचार को बाधित करते हैं और हृदय रोग की वजह बनते हैं।

लैदर स्कर्ट से मिलेगा फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लैदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा। शायद एक पल के लिए पार्टी में लैदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोच कर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। लैदर स्कर्ट्स जो कि अभी रैम्प और रेड कारपेट पर छाई हैं, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेगी। जानिए लैदर स्कर्ट पहनने के कुछ तरीकों के बारे में, जिनसे लुक बदलना आसान होगा।

कैफीन युक्त नई दवा से पार्किंसन का उपचार



वैज्ञानिकों ने अलग तरह के कैफीन आधारित रासायनिक यौगिक का विकास किया है, जिससे पार्किंसन रोग को बढ़ने से रोका जा सकता है। इस बीमारी से अंगों में अनियंत्रित कंपन होने लगता है, शोधकर्ताओं ने ए-सिनुक्लिन -एएस- नामक प्रोटीन पर ध्यान दिया, जो डोपामाइन नियंत्रण में शामिल होता है। इसी कड़ी में 'स्केफोल्ड' नामक कैफीन की खोज हुई, जिसमें पार्किंसन से मुकाबले के गुण दिखे।

इन खाद्य पदार्थों से अपने शरीर को रखें गरम

ठण्ड का प्रकोप दिन प्रतिदिन दिन बढ़ता जा रहा हैं। हम अपने शरीर को बाहरी रूप से गरम करने के लिए ऊनी कपड़ों का सहारा ले लेते हैं। लेकिन यदि आप अपने शरीर को अंदर से गरम रखना चाहते हैं और ठण्ड की बीमारियों से बचना चाहते हैं तो इन खाद्य पदार्थों का उपयोग जरूर कीजिए।



हरी मिर्च: हरी मिर्च शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं। इसे खाने से शरीर में गर्मी आजाती हैं। इसका तीखापन हमारे शरीर का तीखापन बढ़ाता हैं। इस तरह हमारा शरीर अंदर से गरम हो जाता हैं। इसी कारण इसका सेवन ठण्ड में किया जाता हैं। हालांकि अगर इसका सेवन गर्मियों में भी किया जाए तो यह आपको लू से बचाता है। इसलिए आप मिर्ची को हर मौसम में खा सकते हैं।



लहसुन: लहसुन का एक चिकित्सक फायदा यह हैं कि यह उच्च कोलेस्ट्राल लेवल को कम करने में मदद करती हैं। चिकित्सक फायदे के अलावा लहसुन का एक और लाभ होता हैं, हमारे शरीर को अंदर से गरम बनाए रखना। सर्दी में यदि आपको खांसी या सर्दी हो जाए तो इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया और वायरस को मार देते हैं।



हरी मेथी : मेथी का रोजाना उपयोग करने से ठण्ड में सर्दी से बचा जा सकता हैं। मेथी के साग में विटामिन के, आयरन, मैग्नीशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर और फोलिक एसिड अधिक होता है, जो शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। मेथी को खाने से शरीर का खून बढ़ता हैं और शरीर गर्म बना रहता हैं।

सिट्रस फल और अमरूद : विटामिन सी वाले फल जैसे संतरा और नींबू शरीर को पोषण एवं फ्लेवीनॉइड प्रदान करते हैं। इन्हे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ना आसान हो जाता हैं। इसके अलावा अमरुद में भी काफी मात्रा में विटामिन होता हैं। यह दोनों प्रकार के फल खाने से शरीर गर्म रहता हैं तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती हैं।

यह है कद बढ़ाने के लाभकारी उपाए

कम कद कई लोगो की समस्या है और हर कोई इस समस्या से बहुत परेशान है और कई उपाय भी कर चुके है लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं मिल पाया है इसलिए आज हम आपको कुछ खास उपाएं बताएगे जो कद बढ़ाने में आपकी बहुत मदद करेगा। आइए जानते है यह उपाए।

- संतुलित आहार जरूर लें क्योंकि इससे आपको उचित पोषण मिलेगा जो कद बढ़ने के लिए बहुत लाभकारी है।
- कद बढ़ाने के लिए प्रतिदिन 2 काली मिर्च के टुकडे को 20 ग्राम मक्खन में मिलाकर खाएं।
- देशी गाय का दूध पिएं क्योंकि यह कद बढ़ाने में सहायक होता है।



- रात में अच्छी नींद लें और ठीक से भी सोना चाहिए क्योंकि इससे मांसपेशियां और शरीर फैलता है।
- अंगूठों को खीचना चाहिए इससे मांसपेशियों में खिंचाव आता है और रक्त का दौरा भी बढ़ता है।
- लंबाई ठीक से बढ़ाने के लिए वजन कम होना चाहिए। वजन ज्यादा होने से लम्बाई नहीं बढ़ पाती है।

आईबीडी यानी इन्फ्लेमेटरी बावल डिजीज। इसका मतलब है आंतों से जुड़ी तमाम किस्म की समस्याएं। वास्तव में पाचनतंत्र जो कि मुंह, भोजन नलिका, पेट, छोटी आंतें और आंतों से मिलकर बनता है। आईबीडी होने का मतलब है कि इन तमाम भागों में किसी न किसी तरह की समस्या। इसकी वजह खाद्य पदार्थ, अपौष्टिक आहार आदि हैं। यह कहने की जरूरत नहीं है कि आईबीडी काफी दर्दनाक होता है और कई दफा तो यह बीमारी जानलेवा तक साबित होती है। मतलब साफ है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष को आईबीडी हो जाए तो उसे तुरंत अपना इलाज कराना चाहिए। यही नहीं सही उपचार और जीवनशैली में आवश्यक बदलाव भी करने चाहिए। सवाल उठता है कि आईबीडी के लक्षणों को कैसे जाना जाए? आइए इस सम्बंध में आगे पड़ते हैं।

आईबीडी के प्रकार

सामान्यतः आईबीडी के दो प्रकार हैं। अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोन्स डिजीज। क्रोन्स डिजीज के तहत पाचनतंत्र के किसी भी हिस्से में जलन या तकलीफ हो सकती है। हालांकि यह ज्यादातर छोटी आंत के निचले हिस्से को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। जबकि अल्सरेटिव कोलाइटिस होने के दौरान बड़ी आंत में घाव होता है जिसके कारण बड़ी आंत में जलन हो सकती है।



आईबीडी की वजह

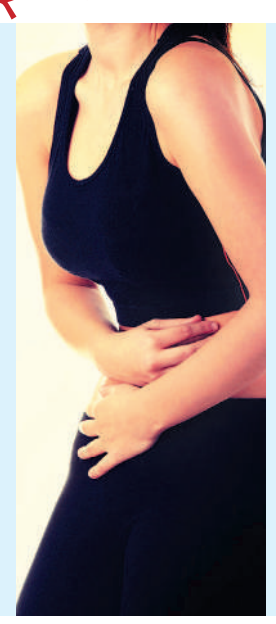
आईबीडी की सटीक वजह बता पाना मुश्किल है। विशेषज्ञों की मानें तो यह बीमारी आनुवांशिक हो सकती है या फिर इम्यून सिस्टम से जुड़ी कोई समस्या। आनुवांशिक होने का मतलब है कि यदि आपके पारिवारिक इतिहास में आईबीडी है तो इसके होने की आशंक में इजाफ हो जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे आनुवांशिका बीमारी बताते हैं।



पेट दर्द की घातक समस्या है आईबीडी...

प्रतिरक्षी तंत्र से जुड़ी बीमारी

आईबीडी को प्रतिरक्षी तंत्र से जुड़ी बीमारी भी बताई जाती है। दरअसल प्रतिरक्षी तंत्र हमारे शरीर की तमाम किस्म की बीमारियों से बचाव करता है। ऐसे में यदि आईबीडी पाचनतंत्र में हो जाए तो इससे प्रतिरक्षी तंत्र का प्रभावित होना लाजिमी हो जाता है। जैसा कि हम जानते हैं कि किसी बीमारी या अन्य वायरस के शरीर में घुसने के दौरान प्रतिरक्षी तंत्र अति सजग और सचेत हो जाता है। ऐसे में यदि पाचनतंत्र कमजोर पड़ जाए तो इसमें घाव, जलन या सूजन जैसी परेशानियां घर करने लगती है। आईबीडी होने का कारण महज संक्रमण ही नहीं है। कई दफा प्रतिरक्षी तंत्र अपने ही सेल्स पर आक्रमण कर बैठती है। इसे आटोइम्यून रिस्पांस के नाम से जाना जाता है। आईबीडी कई बार संक्रमण के खत्म होने के बाद भी ठीक नहीं होती। मतलब यह कि यह एक घातक बीमारी है जिसके प्रति अलर्ट रहना अत्यंत जरूरी है। यह बीमारी कई दफा महीनों तक मरीज को परेशान करती है। तमाम अध्ययन इस बात की तस्दीक करते हैं कि लाखों लोग आईबीडी के मरीज हैं। इसके कुछ मुख्य रिस्क फैक्टर इस प्रकार हैं



धूम्रपान

क्रोन्स डिजीज की मुख्य वजहों में से एक धूम्रपान है। धूम्रपान इस हद तक परेशानी का सबब बनता है कि कई दफा यह आईबीडी के दर्द को बड़ा देता है। यही नहीं क्रोन्स डिजीज के ठीक होने की जटिलता भी बड़ जाती है। हालांकि अल्सरेटिव कोलाइटिस के मरीज इससे अलग होते हैं। सामान्यतः अल्सरेटिव कोलाइटिस उन्हें प्रभावित करता है जो धूम्रपान नहीं करते या फिर उन्हें जो धूम्रपान छोड़ चुके हैं।

आईबीडी से कौन प्रभावित होता है

सामान्यतः आईबीडी से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसे किसी उम्र विशेष में नहीं बांधा जा सकता है। बावजूद इसके विशेषज्ञ इस बात का दावा करते हैं कि आईबीडी 35 साल से कम उम्र के लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है। इसके अलावा जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि पारिवारिक इतिहास होने पर भी यह बीमारी होने का खतरा होता है। यही नहीं भौगोलिक क्षेत्र भी आईबीडी के लिए जिम्मेदार हैं। सामान्यतः यह बीमारी शहरी क्षेत्रों को तुलनात्मक रूप से ज्यादा प्रभावित करती है। इसकी वजह वहां की जीवनशैली और खानपान है। असल में जो लोग वसायुक्त आहार का ज्यादा सेवन करते हैं, उन्हें आईबीडी होने का खतरा बना रहता है।

आईबीडी के लक्षण

यूं तो इसके लक्षण व्यक्ति दर व्यक्ति निर्भर करता है। बावजूद इसके कुछ सामान्य लक्षण डायरिया होना, पेट खराब होना, पेट में दर्द होना, अल्सर से खून आना, वजन घटना, अनीमिया होना और बच्चों में विकास स्तर कम होना शामिल है। पाचनतंत्र के बाहरी लक्षण भी आईबीडी में देखने को मिलते हैं मसलन आंखें सूजना, जलन होना, त्वचा सम्बंधी समस्या होना, अर्थराइटिस होना आदि। आईबीडी का ट्रीटमेंट घर में नहीं किया जा सकता है। इसके लिए बेहतर है कि सीधे चिकित्सक से ही संपर्क करें। वे आपके पारिवार इतिहास से लेकर मौजूद स्थिति पर चर्चा कर मरीज का इलाज करते हैं। इतना ही नहीं जरूरी हो तो ब्लड सैंपल आदि भी लिया जाता है।

ऑयल थैरेपी

नाखून के विकास में सहायक ऑलिव ऑयल...



आपने ऑलिव ऑयल का नाम तो सुना होगा। अगर आप आपकी त्वचा को एवरग्रीन बनाना चाहती हैं तो ऑलिव ऑयल का उपयोग करना शुरू कर दीजिए। इसमें विटामिन इ,फैटी एसिड तथा मिनरल आदि होते हैं। इसके अलावा, इसमें फ्लेवसेनॉयड्स स्केवेलीन और पेरिफेनॉल्स एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्किन कैंसर और सोरायसिस से बचाते हैं।

इसमें पाए जाने वाले न्यूट्रीशन त्वचा को सेहतमंद बनाए रखते है। साथ ही कील-मुहांसों, दाग-धब्बों आदि को ठीक कर आपकी त्वचा को जवां बनाते हैं। साथ ही नाखूनों की ग्रोथ भी बढ़ाते हैं। झुर्रियों की समस्या से परेशान हैं, तो एक चम्मच नीबू के रस में एक चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं। इस मिश्रण से हफ्ते में तीन बार चेहरे की मालिश करें। शरीर पर काले धब्बे हैं तो रोजाना नहाने के बाद पूरे शरीर पर ऑलिव ऑयल से मसाज करें।

ऑलिव ऑयल न केवल आपके त्वचा का रंग निखारता है, बल्कि खोयी चमक भी वापस लाता है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में अंडे की जरदी, आधा चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच जैतून का तेल और कुछ बूंदे गुलाब जल मिला कर के चेहरे पर लगाएं। सूख जाने पर पानी से चेहरा धो लें। गहरे रंग की त्वचा और कोहनियों की समस्या हो, तो ऑलिव ऑयल में चीनी मिला कर रोज हल्के हाथों से पांच मिनट तक स्क्रब करें।

यदि नाखूनों का बढना रूक गया हो, तो ऑलिव ऑयल को गुनगुना करके नाखूनों को कुछ देर उसमें डुबोये रखें। फिर 10-15 मिनट तक उनकी हल्की मालिश करें। इससे नाखून नरम व लचीले हो जाएंगे। यदि आइब्रो या आईलैशेज हल्की हों, तो तेल की कुछ बूंदें लेकर उस जगह हल्की मालिश करें। नियमित रूप से ऐसा करने से वे घनी हो जायेंगी। बेजान व रूखे होठों पर ऑलिव ऑयल की मालिश करने से वे कोमल व मुलायम होते हैं। साथ ही, उनकी गुलाबी रंगत भी बरकरार रहती है।

दर्द में कोई भी गोली खाना पड़ सकता है महंगा

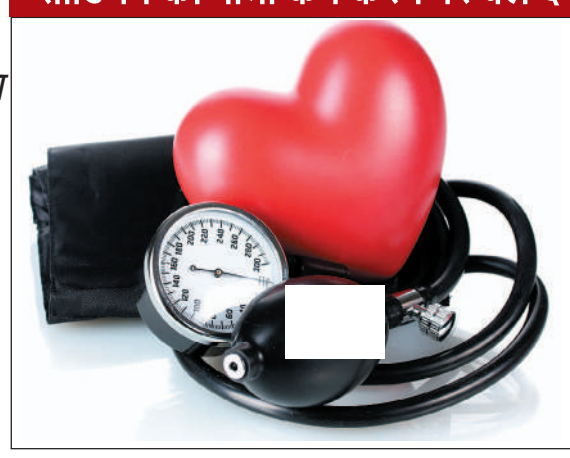
सामान्य तौर पर दर्द के लिए ली जानी दवाइयों से उम्रदराज वयस्कों के अंदर हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती है। एक नई स्टडी में यह खुलासा हुआ है कि सामान्य तौर पर दर्द के लिए ली जानी दवाइयों से उम्रदराज वयस्कों के अंदर हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती है। यह रिसर्च यूके, नीदरलैंड, इटली और जर्मनी के 77 वर्ष की औसत उम्र के 1 करोड़ लोगों पर की गई है। इन प्रतिभागियों की तुलना ऐसे लोगों के साथ की गई है जो किसी भी प्रकार की दवाई का सेवन नहीं कर रहे थे। विशेषज्ञों ने कहा कि निष्कर्ष के तहत 65 वर्ष के लिए थोड़ा प्रासंगिकता है लेकिन बुजुर्ग मरीजों के लिए एक चिंता का विषय हो सकता है। शोधकर्ताओं ने आइबूप्रोफेन, नेपरोक्सन और डिक्लोफेनाक में नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स पाया है। जिससे 19% दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हृदय रोग के सलाहकार का कहना है कि उम्रदराज वयस्कों में ऐसी दवाइयों के सेवन से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे की समस्याओं में कुछ इजाफा हो सकता है।

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं



बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी



हेल्दी मूंग चाट

सामग्री

1 कप अंकुरित मूंग, 1 टी-स्पून तेल, 1/4 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा, कुछ कड़ी पत्ते, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1 टी-स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 कप कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए, 4 टेबल-स्पून ताज़ा फेंटा हुआ दही,नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 टेबल-स्पून कटे हुए टमाटर,2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया,2 चुटकी लाल मिर्च पाउडर

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ता और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया-ज़ीरा पाउडर, टमाटर, अंकुरित मूंग, 1/4 कप पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4 दर 5 मिनट या मूंग के आधे पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। आंच से हठाकर हल्का ठंडा कर लें। अंकुरित मूंग के मिश्रण को 2 भाग में बांट लें। अंकुरित मूंग के मिश्रण के एक भाग को एक बाउल में रखें, 2 टेबल-स्पून ताज़ा दही डालकर थोड़ा नमक छिड़के और उपर 1 टेबल-स्पून प्याज़, 1 टेबल-स्पून टमाटर, 1 टेबल-स्पून हरा धनिया और चुटकी भर लाल मिर्च पाउडर छिड़के। विधी क्रमांक 5 को दोहराकर 1 और मात्रा बना लें। तुरंत परोसें।



इन्डियन कॉर्न डिप

सामग्री

1 कप उबले हुए और दरदरे क्रश किये हुए मीठी मकई के दानें

1/2 कप दूध, 1 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए

1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, परोसने के लिए,खाखरे, नाचो चिप्स

विधि

दूध और कोर्नफ्लॉर को एक एक छोटे बाउल में अच्छी तरह मिलाकर कोर्नफ्लॉर को पुरी तरह घोल लें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, सरसों और ज़ीरा डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। जब बीज चटकने लगे, मीठी मकई, हरी मिर्च, कोर्नफ्लॉर-दूध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए या मिश्रण के गाढ़ा होने तक पका लें। धनिया से सजाकर खाखरे और नाचो चिप्स् के साथ तुरंत परोसें।

ऑफिस के लिए आउटफिट सिलेक्शन

ऑफिस में अपना पर्सनल स्टाइल बनाए रखना बेहद जरूरी है। अपना एक अलग स्टाइल आपको ऑफिस में अलग पहचान दिलाता है। ऑफिस के लिए ड्रेसेज पूरी प्लानिंग से तैयार करें और इसमें वैरायटी रखें। इस बात का ध्यान रखें कि आपको स्टाइलिश के साथ ही प्रोफेशनल भी लगना है। तो आइए आज हम आपको बतातें हैं कि ऑफिस में आप किस तरह का आउटफिट इस्तेमाल करें।

अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखें

ऑफिस के लिए ड्रेस चुनते समय अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में अवश्य रखें। भारतीय महिलाओं का आज भी बेस्ट आउटफिट सलवार-कमीज ही है। इसमें वे बहुत सुंदर लगती हैं, लेकिन काम पर जाने के लिए पहनने से पहले आपको अपने स्किन कलर, हाइट और वेट को ध्यान में रखना जरूरी है। इस पर भी ध्यान दें कि आपको ऑफिस में आकर्षण का केंद्र नहीं बनना, बल्कि प्रोफेशनल लगना है। इसलिए ऑफिस में न तो हैवी और ब्राइट एम्ब्रायडरी वाले सूट पहनें और न ही ज्यादा फ्लेयर वाले सूट पहन कर जाएं। कुर्ते की लैंथ ज्यादा शॉर्ट रखने से भी बचें। स्कर्ट में आप स्टाइलिश और ग्लैमरस लग सकती हैं, यदि वह ढंग से कैरी की गई हो। यदि आपके ऑफिस में इस तरह के परिधान पहनने की अनुमति है, तो आप कलमकारी स्कर्ट पहन सकती हैं।



हमेशा ट्रेंड में रहती है साड़ी

इस बात का ध्यान रखें कि आप की स्कर्ट एंकल लैंथ की हो तथा इसे कन्ट्रास्ट में ट्यूनिक या शर्ट के साथ पहनें, जो आपके प्रोफेशनल लुक में वृद्धि करेगी। आप भले ही किसी भी ऑफिस में काम क्यों न करती हों, जींस पहनने पर कहीं भी प्रतिबंध नहीं है। इसके लिए इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिस में टाइट टी-शर्ट की अपेक्षा कुर्ती या शर्ट के साथ इसे कैरी करें, जो आपको प्रोफेशनल इमेज प्रदान करेगी। फैशन कितना ही क्यों न बदले, लेकिन भारतीय साड़ी हमेशा ट्रेंड में रहती है। यदि आप इसे एक अच्छे ब्लाउज के साथ ढंग से ड्रेप करें, तो यह आपको बेमिसाल लुक देती है। आपकी ड्रेस आपका काम के प्रति व्यवहार दिखाती है, इसलिए यह ध्यान रखें कि साड़ी के साथ का ब्लाउज कैसा है।

संपादकीय

हमारा लोकतंत्र जिंदा है

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार, देश के भीतर और विदेश में, यह क्यों कहते हैं कि 2014 में ही भारत का लोकतंत्र नष्ट हो चुका था। उन्हें यह एहसास 10 सालों के बाद, 2024 में, कैसे और क्यों हुआ? वह खुद आज सांसद किस आधार पर हैं? राहुल गांधी सिर्फ बयान ही नहीं देते, बल्कि अमरीका और यूरोपीय देशों से सवाल भी पूछते हैं कि वे भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप क्यों नहीं करते? यह और भी अहम सवाल है कि विदेशी संप्रभु भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कैसे कर सकते हैं? यह सवाल अब और भी प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि हैदराबाद में 'भारत समिट' के मंच से इटली की 'यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी' के कथित महासचिव जियाकोमी फिलिबेक ने नारा लगाया- 'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इस पर राहुल गांधी ने तालियां बजाईं, हंसते रहे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हंसी भी रुक नहीं पाई। राहुल की बगल में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी भी मौजूद थे। वह भी मुस्कराते रहे। वह 2025 में उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी 'इंडी' गठबंधन के उम्मीदवार थे। एक विदेशी ने ऐसा बयान देकर भारत की सत्ता को 'चोर' करार दिया है। परोक्ष रूप से देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और उनकी शपथधारी सरकार को 'फर्जी' बताया है। एक इटालवी नेता ने, भारत में और भारत के सार्वजनिक मंच से, भारत के करोड़ों मतदाताओं के जनादेश और खुद भारत को अपमानित किया है। कड़ा विरोध करने के बजाय हंसकर उस विदेशी के भारत-विरोधी नारे को समर्थन दिया गया। क्या अब नेता प्रतिपक्ष पदेन शख्सियत देश के अपमान पर भी हंसेगी? यह भारत में और भारतीय लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं है। लोकतंत्र भारत की सांसों, सभ्यता, संस्कार, परंपरा, सोच-विचार और व्यवहार में है। लोकतंत्र सदियों से जिंदा है और अब संविधान के आधार पर लोकतंत्र जिंदा रहेगा। बेशक राहुल गांधी और विपक्ष के एक तबके ने 'वोट चोरी' को राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। भारत का लोकतंत्र और संविधान उन्हें ऐसा अधिकार देते हैं, लेकिन एक विदेशी कैसे नारा लगा सकता है-'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इटली का वह नेता किस स्तर का है और यूरोप के स्तर पर उसकी पहचान, उसका राजनीतिक कद कितना है, यह हम नहीं जानते, लेकिन उस विदेशी का बयान और नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार दोनों ही घोर आपत्तिजनक हैं। खुद राहुल गांधी 2004 से निरंतर लोकसभा सांसद हैं। 22 साल से अधिक के अनुभव के साथ अब वह वरिष्ठ सांसद हो गए हैं, लिहाजा कुछ 'परिपक्वता' अपेक्षित है। नेता प्रतिपक्ष के पद को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। क्या यह प्रतिष्ठा और संवैधानिक स्थिति गैर-लोकतांत्रिक देश में संभव है? विपक्ष के चेहरे के तौर पर राहुल गांधी लगातार विरोध-प्रदर्शन करते रहे हैं, 'वोट चोरी' आदि के मुद्दों पर सर्वोच्च अदालत में याचिका विचाराधीन है, राष्ट्रपति को भी ज्ञापन दे चुके हैं कि चुनाव आयोग में कई विसंगतियां हैं और वह लगभग हररोज यह बयान देते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं। उनकी सरकार जाने वाली है। देश का आर्थिक ढांचा और मॉडल नष्ट हो चुके हैं। यदि भारत में लोकतंत्र खत्म हो चुका होता, तो क्या राहुल गांधी यह सब कुछ कह और कर पाते? वह यह बयान भी दे रहे हैं कि आत्मविश्वास से कह रहा हूं कि हम मोदी को हरा देंगे। 2027 की शुरुआत में ही उप्र, पंजाब समेत 5-6 राज्यों में चुनाव हैं। उनमें ही राहुल गांधी की पार्टी की हकीकत सामने आ जाएगी। बहरहाल मोदी और उनकी पार्टी को चुनावों में हराएंगे, तभी अगले प्रधानमंत्री बन पाएंगे। बयानों से सरकारें नहीं बदला करतीं। यह जीत-हार अखाड़े की नहीं है। यदि 2014 में ही लोकतंत्र नष्ट हो जाता, तो कांग्रेस के 660 से अधिक विधायक और करीब 99 लोकसभा सांसद कैसे जीत पाते? तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, हिमाचल में सरकारें कैसे बन पातीं? कांग्रेस तमिलनाडु, झारखंड सरीखे राज्यों की सरकारों में भी साझेदार है। दरअसल संवेदनशील मुद्दा विदेशी दखलंदाजी का है। हम यह आरोप लगाने के पक्ष में नहीं हैं कि राहुल गांधी की विदेशी एजेंटों, ताकतों, नेताओं के साथ 'सांठगांठ' है।

2014 में ही भारत का लोकतंत्र नष्ट हो चुका था। उन्हें यह एहसास 10 सालों के बाद, 2024 में, कैसे और क्यों हुआ? वह खुद आज सांसद किस आधार पर हैं? राहुल गांधी सिर्फ बयान ही नहीं देते, बल्कि अमरीका और यूरोपीय देशों से सवाल भी पूछते हैं कि वे भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप क्यों नहीं करते? यह और भी अहम सवाल है कि विदेशी संप्रभु भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कैसे कर सकते हैं? यह सवाल अब और भी प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि हैदराबाद में 'भारत समिट' के मंच से इटली की 'यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी' के कथित महासचिव जियाकोमी फिलिबेक ने नारा लगाया-'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इस पर राहुल गांधी ने तालियां बजाईं, हंसते रहे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हंसी भी रुक नहीं पाई। राहुल की बगल में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी भी मौजूद थे। वह भी मुस्कराते रहे। वह 2025 में उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी 'इंडी' गठबंधन के उम्मीदवार थे। एक विदेशी ने ऐसा बयान देकर भारत की सत्ता को 'चोर' करार दिया है। परोक्ष रूप से देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और उनकी शपथधारी सरकार को 'फर्जी' बताया है। एक इटालवी नेता ने, भारत में और भारत के सार्वजनिक मंच से, भारत के करोड़ों मतदाताओं के जनादेश और खुद भारत को अपमानित किया है। कड़ा विरोध करने के बजाय हंसकर उस विदेशी के भारत-विरोधी नारे को समर्थन दिया गया। क्या अब नेता प्रतिपक्ष पदेन शख्सियत देश के अपमान पर भी हंसेगी? यह भारत में और भारतीय लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं है।

हर सांस पर प्रदूषण का पहरा, कैसे मिले सीओपीडी से मुक्ति?

जहरीली हवा, धूम्रपान और घरेलू प्रदूषण बन रहे फेफड़ों के दुश्मन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनियाभर में सीओपीडी के कारण लगभग 34 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण रही। यह आंकड़ा इस बीमारी की गंभीरता और इसके विरुद्ध समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष नवंबर के तीसरे बुधवार को 'विश्व सीओपीडी दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष 18 नवंबर को मनाए जा रहे विश्व सीओपीडी दिवस की थीम है 'बेहतर जीवन के लिए शीघ्र निदान और प्रबंधन'। 'ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव लंग डिजीज' (गोल्ड) द्वारा निर्धारित यह विषय स्पष्ट संदेश देता है कि बीमारी की समय रहते पहचान और समुचित उपचार से मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।



सांस लेना जीवन की सबसे सहज और स्वाभाविक क्रिया है लेकिन तेजी से बिगड़ते पर्यावरण और बदलती जीवनशैली ने आज इसी सहज प्रक्रिया को चुनौती बना दिया है। महानगरों में जहरीली हवा, घरों के भीतर धुएं का जमाव, तंबाकू का बढ़ता सेवन और कार्यस्थलों पर हानिकारक धूल-कणों का संपर्क धीरे-धीरे हमारे फेफड़ों को कमजोर कर रहा है। इसका एक गंभीर परिणाम 'क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) के रूप में सामने आ रहा है। यह फेफड़ों की ऐसी दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें सांस की नलियां संकरी हो जाती हैं, उनमें सूजन और बलगम जमा होने लगता है तथा फेफड़ों की वायुकोषिकाएं भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति को सांस लेने और सामान्य शारीरिक गतिविधियां करने में परेशानी होने लगती है। विडंबना यह है कि इस बीमारी की शुरुआत अक्सर इतनी धीमी होती है कि लोग इसके शुरुआती संकेतों को उम्र का असर, सामान्य खांसी या मौसम का बदलाव समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनियाभर में सीओपीडी के कारण लगभग 34 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण रही। यह आंकड़ा इस बीमारी की गंभीरता और इसके विरुद्ध समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष नवंबर के तीसरे बुधवार को 'विश्व सीओपीडी दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष 18 नवंबर को मनाए जा रहे विश्व सीओपीडी दिवस की थीम है 'बेहतर जीवन के लिए शीघ्र निदान और प्रबंधन'। 'ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव लंग डिजीज' (गोल्ड) द्वारा निर्धारित यह विषय स्पष्ट संदेश देता है कि बीमारी की समय रहते पहचान और समुचित उपचार से मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। सीओपीडी के प्रमुख रूपों में क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और एम्फीसेमा शामिल हैं। क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस में सांस की नलियों की भीतरी परत में लगातार सूजन रहती है और अधिक बलगम बनने लगता है जबकि एम्फीसेमा में फेफड़ों की छोटी-छोटी वायुकोषिकाएं क्षतिग्रस्त होकर अपनी सामान्य लोच खोने लगती हैं। इन दोनों स्थितियों में फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाने की प्रक्रिया कठिन हो जाती है। सीओपीडी के सामान्य लक्षणों में लगातार खांसी, कफ बनना, सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलना, सीने में जकड़न, घरघराहट और असामान्य थकान शामिल हैं। बार-बार सांस संबंधी संक्रमण होना भी खतरे का संकेत हो सकता है। बीमारी बढ़ने पर व्यक्ति को आराम की अवस्था में भी सांस लेने में परेशानी होने लगती है। सीओपीडी का सबसे प्रमुख जोखिम कारक धूम्रपान है। सिगरेट, बीड़ी, हुक्का और अन्य तंबाकू उत्पादों का धुआं फेफड़ों की नाजुक संरचनाओं को लगातार नुकसान पहुंचाता है। हालांकि यह मानना गलत है कि केवल धूम्रपान करने वाले ही इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सीओपीडी के लगभग 30 से 40 प्रतिशत मामले तंबाकू धूम्रपान से जुड़े हैं और घरेलू वायु प्रदूषण भी एक प्रमुख जोखिम कारक है यानी धूम्रपान न करने वाले लोग भी प्रदूषित वातावरण में लंबे समय तक रहने के कारण इस बीमारी के शिकार हो सकते हैं। विशेष रूप से महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और ऐसे लोग अधिक जोखिम में रहते हैं, जो वर्षों तक लकड़ी, कोयले, उपलों तथा फसल अवशेषों के धुएं के बीच खाना पकाते या काम करते हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस चुनौती को और गंभीर बना देती है। सर्दियों के आगमन के साथ ही यहां वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में पहुंच जाता है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल, सड़क की धूल, कचरा एवं पराली जलाने से निकलने वाला धुआं और मौसम संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियां मिलकर हवा को जहरीला बना देती हैं। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण विशेषकर पीएम 2.5 इतने छोटे होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से श्वसन तंत्र में सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रदूषण का संकट केवल घर से बाहर तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाला धुआं, अपर्याप्त वेंटिलेशन वाली रसोई, घर के भीतर अगरबत्ती और धूप का अत्यधिक धुआं तथा तंबाकू का निष्क्रिय सेवन भी फेफड़ों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, खदानों, कारखानों, निर्माण स्थलों, कपड़ा उद्योग और रासायनिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिक धूल, धुएं और हानिकारक रसायनों के लगातार संपर्क में रहते हैं। इसलिए सीओपीडी की रोकथाम के लिए केवल सिगरेट छोड़ने की सलाह पर्याप्त नहीं है बल्कि स्वच्छ घरेलू ईंधन, बेहतर रसोई वेंटिलेशन, कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपकरण और स्वच्छ बाहरी वातावरण भी उतने ही जरूरी हैं। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती इसका देर से पहचाना जाना है। बहुत से लोग लंबे समय तक खांसी और सांस फूलने को सामान्य समस्या मानकर स्वयं ही खांसी की दवाएं लेते रहते हैं। कुछ लोग उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक क्षमता कम होने को स्वाभाविक समझकर चिकित्सकीय जांच नहीं कराते। सीओपीडी की पुष्टि के लिए स्पाइरोमेट्री नामक सांस की जांच सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें व्यक्ति को एक उपकरण में जोर से सांस छोड़नी होती है, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता और वायु प्रवाह में रुकावट का पता चलता है। केवल लक्षणों या छाती के एक्स-रे के आधार पर सीओपीडी की पुष्टि नहीं की जा सकती। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लक्षणों और जोखिम कारकों के आधार पर संदेह होने पर स्पाइरोमेट्री से निदान की पुष्टि करने की सलाह देता है। सीओपीडी का फिलहाल ऐसा कोई उपचार उपलब्ध नहीं है, जिससे फेफड़ों को हुआ नुकसान पूरी तरह समाप्त किया जा सके लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि मरीज सामान्य और सक्रिय जीवन नहीं जी सकते। समय पर निदान, नियमित उपचार और जीवनशैली में आवश्यक बदलाव से बीमारी की प्रगति को धीमा करने, लक्षणों को नियंत्रित करने तथा गंभीर स्थितियों से बचने में मदद मिल सकती है। चिकित्सक मरीज की स्थिति के अनुसार ब्रोंकोडाइलेटर और अन्य उपयुक्त इनहेलर दवाएं देते हैं, जो सांस की नलियों को खोलने और सूजन कम करने में सहायक होती हैं। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन थैरेपी और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन की भी सलाह दी जा सकती है। नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित पौष्टिक आहार और पर्याप्त आराम मरीज की जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाने में सहायक हैं। रोकथाम के स्तर पर सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम धूम्रपान तथा तंबाकू का पूर्ण त्याग है।

देश दुनिया से

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय



लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था : सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है? 14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक-कुशल' बनेगी। इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था। उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलतः त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश-जज्बे की कोई कमी नहीं; वे हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे। भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है। किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो-तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है। हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर-कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो-इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं। इन्हें प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54-56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है। अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैं: क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी, जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं। चाहे यह विचार सेना मुख्यालय से आया हो या रक्षा मंत्रालय ने थोपा हो, इतने बड़े बदलाव को पहले एक 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में आजमाना चाहिए था—यानी इसे किसी एक या अधिक सैन्य यूनिटों में प्रयोग किया जाता, या बेहतर होगा कि 'टेरिटोरियल आर्मी' में लागू कर देखा जाता और फिर परिणामों का विश्लेषण किया जाता। इसके बजाय, पूरी सशस्त्र सेना पर अचानक इस जोखिम भरे प्रयोग को लाद दिया गया। हालांकि सरकार लगातार यह कहती रही है कि इसके पीछे कोई वित्तीय मकसद नहीं, लेकिन लगभग तय है कि अग्निवीर योजना रक्षा मंत्रालय के बढ़ते 'कार्मिक खर्चे' को नियंत्रित करने से चालित है, क्योंकि सब खर्चों के बाद, हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए उपलब्ध फंड में कमी आ जाती है। तथापि, पेंशन खर्च मद में बचत किए जाने की एवज में रक्षा क्षमताओं से समझौता करना बहुत बुरा सौदा है। अगर बचत इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था, तब तो इस योजना का सबसे ठोस आधार ही खत्म हो जाता है। केंद्र सरकार की पेंशन प्रणाली के लाभार्थी केवल पूर्व सैनिक ही नहीं हैं।

आप का नज़रिया

एक नया महाभारत लिखा

हिमाचल के चौथे साल की सत्ता और चौथे साल के विपक्ष के बीच एक ऐसा मुकाम देखा जा रहा है, जहां जनता चौकन्नी और सरकार दरियादिल हो रही है। सरकार ने मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में खुद को साबित करने का पैगाम दिया है, तो शीतकालीन सत्र में दोनों पक्षों के बीच पैमाइश का नया दौर जारी है। चार साल की सरकार का जश्न इस बार हमीरपुर में अपनी शक्ति और अपने सामथ्र्य का प्रदर्शन करेगा, तो यह चुनाव की पटकथा सरीखा होगा। बहरहाल चार साल में मंत्रिमंडल की सबसे ताकतवर घोषणा अब सामने आई है, जब हिमाचल सरकार अपनी सुखी परिवार योजना का शंखनाद कर रही है। इसके तहत 18 से 59 वर्ष की आयु की 3.50 लाख महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए की राशि प्राप्त होगी। चुनावी अनुदान का फलक कांग्रेस की गारंटियों को शोहरत दे रहा है, तो पात्र परिवारों को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध होगी। जाहिर है ऐसी घोषणाओं पर अमल की तकरीर लिख कर सुक्खू सरकार ने अपने सारे दस्तावेज खोल दिए हैं। साढ़े तीन लाख महिलाओं की साधना में प्रति माह 1500 रुपए की गारंटी का कुछ तो ऐसा असर होगा जो विपक्ष के गणित में अड़चन डाल सकता है। इसी तरह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली का अपना अलग संसार और सियासी सरोकार देखा जाएगा। हिमाचल के लाभान्वित तीन लाख परिवारों या साढ़े तीन लाख महिलाओं का चुनावी श्रृंगार अब तक की चुनावी रणनीति का एक नया मंत्र है। जनता आम मतदाता की हैसियत से सोचती है या लाभान्वित समुदाय की जिरह में व्यवहार करती है, यह देखना होगा। मंत्रिमंडल की बैठक रोजगार के दरवाजे से 2376 पद खोल रही है। परिवहन क्षेत्र में स्वरोजगार की कलम से सरकार सब्सिडी की गारंटी बढ़ा रही है, तो राजीव गांधी स्टार्टअप योजना के तहत रूट चिन्हित हो रहे हैं। डीजल बसों की खरीद पर सब्सिडी तीस से बढ़ा कर चालीस प्रतिशत, तो इलेक्ट्रिक बस खरीद पर चालीस से बढ़ा कर अब सब्सिडी 50 प्रतिशत होगी। सेब और अदरक का खरीद समर्थन मूल्य बढ़ाया जा रहा है। फैसलों के नक्शे पर पुनः कई क्षेत्र बुलंद हुए हैं, तो नए संकल्पों की राह पर मसौदे तय हो रहे हैं। कुल मिला कर सरकार की प्राथमिकताएं अब अपने रिपोर्ट कार्ड पर खुद ही हस्ताक्षर कर रही हैं। सामाजिक तौर पर हिमाचल की राजनीतिक जागरूकता का परचम अगले चुनाव से क्या चाहता है या अपना कौन सा रंग दिखाना चाहता है, यह तय करने के लिए कुछ हद तक शीतकालीन सत्र भी प्रयासरत रहेगा। विपक्ष भी इसके माध्यम से अपने होने के सबूत और संकल्प से बताना चाहेगा कि चांदनी अब किसकी तरफ है। कुल मिला कर तपोवन परिसर में शीतकालीन सत्र की अंतिम मुलाकात के जरिए तापमान इतना तो बढ़ सकता है कि सत्ता के हवाले हीले लगें। दूसरी ओर सरकार अपने तौर पर लोकतांत्रिक जवाबदेही, वित्तीय कुशलता, विजन की पेशकश, प्रशासनिक पहल और व्यवस्था परिवर्तन के तकाजे पर अपनी इच्छा शक्ति का हवाला देगी। बुलंद होने की फरमाइश में, समाज का मूल्यांकन होगा, तेरी बाहों में सत्ता का बल, हमारी निगाहों में आने वाला पल होगा। प्रदेश के सियासी मॉडल में सुक्खू सरकार के नए प्रयोग तथा व्यवस्था परिवर्तन के मजमून अगर कुछ कहेंगे, तो कहने को विपक्ष के पास कई असंतुलन, ब्यौरे और नागरिक अपेक्षाओं के चि_ होंगे। बहरहाल, राजनीति अब इतनी भी आसान नहीं कि चुनाव के मुहाने पर महज अदला-बदली की हवा चल जाए, लेकिन इतनी भी नासमझ नहीं कि कारवां यूं ही गुजर जाए। अब सत्ता बनाम विपक्षी द्वंद्व के साथ-साथ जनता के अपने विषय, बेरोजगारी के सफे, कानून-व्यवस्था के लम्हे और केंद्र बनाम राज्य के बीच कहां अधिकार फंसे, इस पर भी महाभारत लिखा जाएगा।

सरकार ने मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में खुद को साबित करने का पैगाम दिया है, तो शीतकालीन सत्र में दोनों पक्षों के बीच पैमाइश का नया दौर जारी है। चार साल की सरकार का जश्न इस बार हमीरपुर में अपनी शक्ति और अपने सामथ्र्य का प्रदर्शन करेगा, तो यह चुनाव की पटकथा सरीखा होगा। बहरहाल चार साल में मंत्रिमंडल की सबसे ताकतवर घोषणा अब सामने आई है, जब हिमाचल सरकार अपनी सुखी परिवार योजना का शंखनाद कर रही है। इसके तहत 18 से 59 वर्ष की आयु की 3 .50 लाख महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए की राशि प्राप्त होगी। चुनावी अनुदान का फलक कांग्रेस की गारंटियों को शोहरत दे रहा है, तो पात्र परिवारों को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध होगी। जाहिर है ऐसी घोषणाओं पर अमल की तकरीर लिख कर सुक्खू सरकार ने अपने सारे दस्तावेज खोल दिए हैं। साढ़े तीन लाख महिलाओं की साधना में प्रति माह 1500 रुपए की गारंटी का कुछ तो ऐसा असर होगा जो विपक्ष के गणित में अड़चन डाल सकता है। इसी तरह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली का अपना अलग संसार और सियासी सरोकार देखा जाएगा। हिमाचल के लाभान्वित तीन लाख परिवारों या साढ़े तीन लाख महिलाओं का चुनावी श्रृंगार अब तक की चुनावी रणनीति का एक नया मंत्र है। जनता आम मतदाता की हैसियत से सोचती है या लाभान्वित समुदाय की जिरह में व्यवहार करती है, यह देखना होगा। मंत्रिमंडल की बैठक रोजगार के दरवाजे से 2376 पद खोल रही है।

कुछ अलग

ताला, चाबी और अविश्वास

कॉकरोचों की सभा देर तक निःशब्द बैठी रही। क्योंकि अब सब समझने लगे थे कि मनुष्य की हर नई खोज केवल सुविधा नहीं लाती। वह अपने साथ एक नया प्रश्न भी लेकर आती है और अनगिन समस्याएं भी। उधर समय चुपचाप आगे बढ़ता रहा। दीवार खड़ी थी। दरवाजा बन चुका था। और इतिहास...पहली बार यह सोच रहा था कि सभ्यताएं दीवारों से कम, उनके बीच छोड़े गए रास्तों से अधिक पहचानी जाएंगी। क्योंकि जहां प्रवेश का अधिकार जन्म लेता है, वहीं से बहिष्कार का इतिहास भी आरंभ हो जाता है। समय आगे बढ़ता रहा। दरवाज़ा बन चुका था। कुछ समय तक वह केवल आने-जाने का मार्ग बना रहा। मनुष्य निश्चिंत था। उसे लगता था कि उसने समस्या का समाधान खोज लिया है। किन्तु समाधान अधिक दिन अकेला नहीं रहता। एक दिन किसी ने बिना पूछे भीतर प्रवेश कर लिया। उस दिन मनुष्य ने पहली बार पीछे मुड़कर अपने ही दरवाज़े को संदेह की दृष्टि से देखा।

दृष्टि कोण

किसानों को प्रत्यक्ष सबसिडी देने की दरकार

भारत में कृषि सबसिडी के कई प्रकारों में से एक महत्वपूर्ण प्रकार, इनपुट सबसिडी है। इनपुट सबसिडी में, उर्वरक सबसिडी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों के अनुसार कुल कृषि सबसिडी 414614 करोड रुपए रही, जिसमें उर्वरक सबसिडी 186460 करोड रुपए रही। उर्वरक सबसिडी में अधिकांश न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी है और एक अन्य प्रकार यूरिया सबसिडी है। इस वर्ष खरीफ मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी के लिए 41533.81 करोड रुपए का प्रावधान केंद्रीय कैबिनेट ने किया, जो कि पिछले खरीफ मौसम (2025) में 37216.15 करोड रुपए से 4317.66 करोड़ रुपए अधिक था। रबी के मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी की घोषणा अभी बाकी है। वर्ष 2026-27 के लिए यूरिया सबसिडी के लिए 116799 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया गया है। पहले तो उर्वरक सबसिडी देने का तरीका भिन्न था, लेकिन वर्ष 2010 में इसे न्यूट्रिएंट आधारित कर दिया गया था, जिसके अनुसार चार पोषक तत्वों- नाईट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर, के आधार पर सबसिडी निर्धारित करना शुरू किया गया। ऐसा समझा गया कि न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने से उर्वरकों का संतुलित उपयोग होगा, मृदा यानी मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और घरेलू उर्वरकों का उपयोग बढ़ेगा। लेकिन देखा गया कि उसके बावजूद कंपनियों के माध्यम से उर्वरक सबसिडी बदस्तूर जारी रही, आयातों पर निर्भरता बढ़ती रही और घरेलू उर्वरकों का उपयोग नहीं बढ़ पाया। लेकिन 2010 से



पहले भी और 2010 में न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने के बाद भी सबसिडी सीधे किसानों को नहीं, बल्कि कंपनियों को दी जाती रही है। कंपनियों को सबसिडी उनके द्वारा बिक्री किए गए उर्वरकों के आधार पर दी जाती है। किसानों की हमेशा शिकायत रहती है कि कंपनियों को दी जाने वाली उर्वरक सबसिडी से लाभ किसानों को कम और कंपनियों को ज्यादा होता है। उर्वरक कंपनियां चाहे सहकारी क्षेत्र में हों, सरकारी हों अथवा निजी क्षेत्र में, सभी के लाभ ऊंचे बने हुए हैं और किसानों की मुश्किलें लगातार बरकरार हैं। उसको समय पर उर्वरक नहीं मिलते हैं और अन्यान्य कारणों से उसकी लागत तो लगातार बढ़ ही रही है, उसके लाभ कम होते जा रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि कृषि लाभ का सौदा नहीं रही। लंबे समय से किस



उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने रचा इतिहास, 14 गेंदों में जड़ा महिला क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक

देहरादून

उत्तराखंड की प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटर प्रेमा रावत ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। सीनियर महिला टी-20 ट्राफी में हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए प्रेमा ने महज 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर महिला क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना का 15 गेंदों में अर्धशतक बनाने का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया।

प्रेमा ने अपनी इस ऐतिहासिक पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने 357.14 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 50 रन बनाए। बल्ले के साथ गेंद से भी उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की। लेग स्पिन गेंदबाजी करते हुए प्रेमा ने चार ओवर में महज 12 रन देकर दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनके इस हरफनमौला प्रदर्शन ने उत्तराखंड की टीम को मजबूती प्रदान की।

24 वर्षीय प्रेमा रावत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे संघर्ष, प्रतिभा और निरंतर मेहनत की लंबी कहानी है। उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाने तक का उनका सफर प्रेरणादायक रहा है। उनकी प्रतिभा को शुरुआती दौर में पहचानने और उसे निखारने में क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड (सीएयू) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसोसिएशन ने उन्हें बेहतर सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) ने भी प्रेमा के करियर को नई दिशा देने में अहम योगदान दिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अनुभव और अपनी प्रतिभा दिखाने के बेहतर अवसर मिले, जिसका लाभ अब राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है।

प्रेमा भारतीय सीनियर महिला टीम की ओर से सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकी हैं। वह इंडिया-ए और हाल ही में महिला टी-20 विश्व कप टीम का भी हिस्सा रही हैं। इसके अलावा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वह रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बीसीसीआई के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के सचिव महिम वर्मा ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रेमा की उपलब्धि पर उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश को गर्व है। 14 गेंदों में विश्व रिकार्ड अर्धशतक बनाने के साथ गेंद और बल्ले दोनों से प्रभावशाली प्रदर्शन करना उनकी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

महिम वर्मा ने कहा कि सुदूर क्षेत्र से निकलकर विश्व क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाली प्रेमा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। सीएयू प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि प्रेमा भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी और भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

पीठ की चोट के कारण डब्ल्यूबीबीएल के शेष सत्र से बाहर हुईं सोफी एक्लेस्टोन

मेलबर्न। इंग्लैंड की स्टार स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन पीठ की चोट के कारण महिला बिग बैश लीग



(डब्ल्यूबीबीएल) के मौजूदा सत्र के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। वह एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रही थीं। पर्थ स्कार्चर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले उन्हें यह चोट लगी थी। पश्चिमी आस्ट्रेलिया में स्कैन कराने और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से परामर्श के बाद यह फैसला लिया गया कि एक्लेस्टोन को चोट से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा। एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, सोफी स्ट्राइकर्स के लिए शानदार खिलाड़ी साबित हुई हैं। उन्होंने न केवल अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से, बल्कि अपने नेतृत्व और अनुभव से भी टीम को काफी योगदान दिया है। वह दुनिया की बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। उन्हें खोने से हम निराश हैं, लेकिन क्लब के साथ अपने समय के दौरान उन्होंने जो कुछ भी योगदान दिया है, उसके लिए हम उनके बेहद आभारी हैं। हम सोफी के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में एडिलेड में उनका फिर से स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। एक्लेस्टोन ने इस सत्र में स्ट्राइकर्स के लिए चार मैचों में चार विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, मेरा सत्र इस तरह समाप्त हुआ, इससे मैं वास्तव में बहुत दुखी हूं। एडिलेड और स्ट्राइकर्स के साथ मेरा समय बहुत अच्छा रहा है। सत्र के बाकी मुकाबलों में मैं हर कदम पर टीम का समर्थन करती रहूंगी। हमारी टीम ने इस साल कुछ शानदार प्रदर्शन किए हैं और मैं फाइनल में जगह बनाने की उनकी कोशिशों के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाती रहूंगी। 11 सत्र बाद पूरे बिग बैश सत्र में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे लाबुशेन आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन आगामी बिग बैश लीग सत्र में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलेंगे। 11 लगातार सत्रों से बिग बैश लीग में हिस्सा लेने वाले लाबुशेन पहली बार 11 सत्रों में पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहने की स्थिति में हैं।

हाथ में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए सैंटनर, फाक्सक्राफ्ट को मौका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आलराउंडर मिचेल सैंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ



आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह आलराउंडर डीन फाक्सक्राफ्ट को न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान सैंटनर को रविवार (15 नवंबर) को माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे मुकाबले के दौरान बल्लेबाजी करते समय दाहिने हाथ में चोट लगी थी। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की एक गेंद उनके दाहिने हाथ के पिछले हिस्से पर लगी थी। न्यूजीलैंड की पारी के 37वें ओवर में चोट लगने के बाद फिजियो ने मैदान पर उनका उपचार किया। हालांकि, सैंटनर ने बल्लेबाजी जारी रखी और 24 रन बनाकर आउट हुए। बाद में कराई गई जांच में उनके हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके कारण वह टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी बयान में कहा गया, सैंटनर की मैदान पर वापसी में लगने वाले समय को लेकर अभी आकलन किया जा रहा है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता सरमा ने ऋतिक तिवारी को भारतीय सीनियर फुटबाल टीम में पदार्पण पर दी बधाई

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गोलकीपर ऋतिक तिवारी को भारतीय सीनियर पुरुष



फुटबाल टीम में पदार्पण करने पर बधाई दी है। तिवारी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताते हुए असम में फुटबाल के मजबूत होते आधार का प्रमाण बताया। सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए तिवारी की उपलब्धि का स्वागत किया। उन्होंने उनके पदार्पण को सुखद बताते हुए असम में फुटबाल की प्रगति पर खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि तिवारी इस साल भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम में पदार्पण करने वाले असम के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले पार्थिब गोगोई ने जून में अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। मुख्यमंत्री ने लिखा, फुटबाल के मैदान पर शानदार पदार्पण! असम के बेटे ऋतिक तिवारी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारत की सीनियर फुटबाल टीम के लिए अपना पहला मैच खेला। वह पार्थिब गोगोई के साथ जुड़ गए हैं, जिन्होंने इसी साल जून में पदार्पण किया था। यह हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और इस बात का संकेत है कि असम का फुटबाल तंत्र कितना मजबूत हो रहा है। आगे बढ़ते रहें और नई ऊंचाइयां हासिल करें। तिवारी का भारतीय सीनियर टीम में पदार्पण असम के फुटबाल के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारतीय फुटबाल में राज्य के बढ़ते योगदान और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के केंद्र के रूप में उसके उभरने को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सात बल्लेबाज और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेंगे : गिल

कप्तान ने पंत की फिटनेस और फार्म पर जताया भरोसा

वेलिंगटन

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने पुष्टि की है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने की योजना बना रही है। हालांकि, तेज गेंदबाजों के अंतिम संयोजन पर फैसला अभी नहीं हुआ है। गिल ने कहा कि पिच पर तीसरे दिन से उछाल कम होने और उसके सपाट होने की संभावना है। ऐसे में टीम को ऐसे गेंदबाजों की जरूरत होगी, जो पिच से उछाल हासिल करने के साथ तेज गति से गेंद को सतह पर पटक सकें।

पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गिल ने कहा, हम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों को खिलाने की योजना बना रहे हैं। हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलेंगे। हमारे सभी तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम के लिए यह अच्छी परेशानी है।

उन्होंने कहा, हम चार तेज गेंदबाजों को खिलाना चाहते हैं, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनमें से कौन खेलेगा। हमने देखा है कि तीसरे दिन से पिच सपाट हो जाती है और हमें ऐसे गेंदबाज की जरूरत है, जो पिच पर गेंद को जोर से पटक सके।

गिल ने बल्लेबाजी क्रम में आठवें और नौवें नंबर पर भी योगदान की अहमियत बताई। उन्होंने आकाश दीप और अंशुल कंबोज की बल्लेबाजी क्षमता का जिक्र करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को भी टीम के लिए अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प बताया।

गिल ने कहा, आदर्श रूप से हम सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों के साथ उतरने पर विचार कर रहे हैं। आठवें और नौवें नंबर पर कौन खेलेगा, यह हमारे चुने गए संयोजन पर निर्भर करेगा। आकाश दीप बल्ले से योगदान दे सकते हैं और अंशुल कंबोज भी थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम नितीश कुमार रेड्डी के साथ उतरते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज हैं। इसलिए हम सभी विकल्पों का आकलन करेंगे और तय करेंगे कि हमें किस तरह का संयोजन चाहिए और टीम के लिए क्या सबसे बेहतर रहेगा।

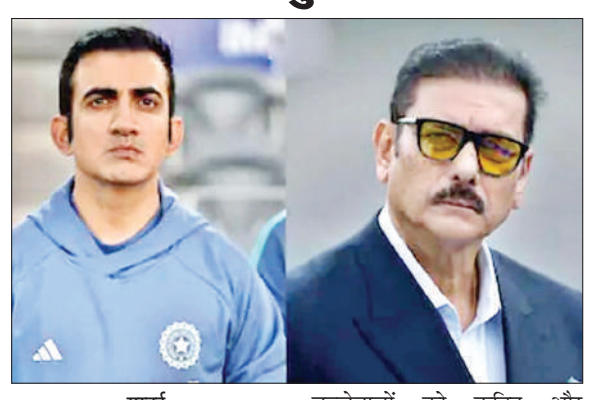


पंत की वापसी पर गिल ने जताया भरोसा– गिल ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस और फार्म को लेकर उठ रही चिंताओं को भी खारिज किया। उन्होंने पंत के अनुभव और क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि वह टीम के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। चोट के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से दूर रहने के बाद पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले भारतीय टीम में लौट आए हैं।

गिल ने कहा, मुझे लगता है कि वह टीम के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि उन्होंने कितने मैच खेले हैं, लेकिन मेरा मानना है कि वह लगभग 50 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जो एक बड़ी संख्या है। जिस तरह के खिलाड़ी वह हैं और जिस गुणवत्ता के साथ टीम में योगदान देते हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि उन्होंने दुनिया भर में शतक लगाए हैं। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर के रूप में उन्होंने आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक बनाए हैं। न्यूजीलैंड शायद एकमात्र ऐसा देश है, जहां वह अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि वह यहां यह उपलब्धि हासिल करने के अवसर का इंतजार कर रहे होंगे। पंत को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने फिटनेस की मंजूरी दे दी है। उन्हें एक से चार अक्टूबर तक श्रीनगर में खेले गए ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी। उस मुकाबले में वह रेस्ट आफ इंडिया टीम के कप्तान थे। इसके बाद 23 अक्टूबर से वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे थे।

पंत को न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में भी चुना गया था, लेकिन उनकी भागीदारी फिटनेस मंजूरी पर निर्भर थी। चोट के कारण वह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शुरुआती दो चार दिवसीय मुकाबलों में नहीं खेल सके। उन्हें सात से 10 नवंबर तक खेले गए तीसरे मुकाबले से टीम में शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी रिकवरी और फिटनेस जांच के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस में अतिरिक्त समय देने का फैसला किया। अब जरूरी फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद पंत भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 और वनडे सीरीज जीत चुकी है। अब उसकी नजर टेस्ट सीरीज में भी जीत दर्ज कर दौरे का क्लीन स्वीप करने पर होगी। गिल पिछले सप्ताह टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए टीम से अलग किए जाने के बाद माउंट माउंगानुई में खेले गए अंतिम दो वनडे मुकाबलों में नहीं खेले थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा।

एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारतीय टीम को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार : शास्त्री



मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीतने के बाद भी भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर चिन्ता जतायी है। शास्त्री ने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप से पहले टीम को बल्लेबाजी में आई कमजोरियों को दूर करना होगा। टीम की बल्लेबाजी को लेकर गंभीर सवाल इसलिए भी उठ रहे क्योंकि विश्वकप में अभी अभी अधिक समय नहीं है। वहीं भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के मैदानों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे। टीम पांच मैचों में एक बार भी 250 रनों तक नहीं पहुंच पायी। टीम चौथे एकदिवसीय में केवल 89 रनो पर ही आउट हो गयी। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी रन नहीं बना पाये। इसी कारण टीम के मुख्य गौतम गंभीर भी चिन्तित है। शास्त्री ने कहा कि गंभीर की चिन्ता जायज है क्योंकि विश्वकप से पहले ऐसी बल्लेबाजी कोई कोच नहीं चाहेगा।

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम की बल्लेबाजी कई अवसर पर बिखरती दिखी। पांचवें मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने में असफल रही। शास्त्री का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को कठिन और चुनौतीपूर्ण हालातों में अपनी तकनीक और रवैये में सुधार करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है।

शास्त्री ने गंभीर के बयान का हवाला देते हुए कहा, कोच ने बिल्कुल सही कहा था कि मैं सबसे ज्यादा इसलिए निराश हूं, क्योंकि ये परिस्थितियां दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की परिस्थितियों के सबसे करीब हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बार 300-320 रन बनाने का लक्ष्य नहीं रखा जा सकता। क्रिकेट की बदलती पिचों और परिस्थितियों में, कई बार 260-270 रन भी मैच जिताने वाला स्कोर साबित हो सकता है, इसलिए बल्लेबाज परिस्थितियों को समझकर धैर्य और सूझबूझ से खेलें। टीम को अपनी अप्रोच में सुधार करना होगा, और कठिन परिस्थितियों में संभलकर खेलने का धैर्य दिखाना होगा।

इस दौरे से भारतीय टीम की कई कमजोरियां उभरकर सामने आई हैं जिन्हें विश्वकप से पहले उसे दूर करना होगा। जिससे विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट्स में अप्रत्याशित प्रदर्शन से बचा जा सके और टीम मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आए।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने शेन डिट्ज



लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेन डिट्ज को अपनी महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी द्विपक्षीय सीरीज से पहले अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 1 वर्षीय डिट्ज को कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वह हाल ही में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच थे। उनके मार्गदर्शन में वेस्टइंडीज की टीम ने 2024 और 2026 के लगातार दो आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। डिट्ज बांग्लादेश और नीदरलैंड की महिला राष्ट्रीय टीमों के साथ भी काम कर चुके हैं। अपने कोचिंग करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने 2008 से 2013 तक न्यूजीलैंड के क्रिकेट वेलिंगटन में हाई परफार्मेंस कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। नियुक्ति पर खुशी जताते हुए डिट्ज ने कहा, पाकिस्तान महिला टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। पाकिस्तान क्रिकेट का शानदार इतिहास रहा है। मुझे भी याद है कि बचपन में आस्ट्रेलिया में रहते हुए 1992 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन किया था। वह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। डिट्ज ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर अपने लक्ष्य भी साझा किए। उन्होंने कहा, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे और हमारा लक्ष्य घरेलू मैदान पर अपने समर्थकों को जश्न मनाने का मौका देना है।

फिलिस्तीन के खिलाफ बड़ी परीक्षा से गुजरेगी भारतीय अंडर-17 टीम

कुआलालंपुर

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप उज्बेकिस्तान 2027 के क्वालीफायर में भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबाल टीम अपने सबसे चुनौतीपूर्ण मुकाबले में फिलिस्तीन का सामना करेगी। ग्रुप ई के इस मुकाबले में दोनों टीमें अपने शुरुआती दो मैच जीतकर मैदान पर उतरेंगी। ऐसे में ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने की राह में यह मुकाबला अहम साबित हो सकता है।

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार, भारत ने अपने पहले मुकाबले में सिंगापुर को 4-2 से हराया और इसके बाद गुआम के खिलाफ 12-0 की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर, फिलिस्तीन ने मेजबान मलेशिया को 2-0 और गुआम को 5-0 से शिकस्त दी है।

दोनों टीमों के छह-छह अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर भारत ग्रुप ई में शीर्ष पर है। भारत का गोल अंतर प्लस 14 है, जबकि फिलिस्तीन प्लस सात के साथ दूसरे स्थान पर है। अंक बराबर होने की स्थिति में आमने-सामने के मुकाबले को पहली वरीयता दिए जाने के कारण मैच ग्रुप में शीर्ष स्थान और अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस ग्रुप से केवल एक टीम को क्वालीफाई करना है।

भारत और फिलिस्तीन के बीच एएफसी की युवा प्रतियोगिताओं में यह चौथा मुकाबला होगा। इससे पहले दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता है, जबकि एक मुकाबला ड्रा रहा है। फिलिस्तीन ने 2016 एएफसी अंडर-19 चैंपियनशिप क्वालीफायर में भारत को 1-0 से हराया था। वहीं, भारत ने 2018 एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप क्वालीफायर में 3-0 से जीत दर्ज की थी। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के दौरान हुई थी, जो 1-1 से ड्रा रही थी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच मेहराजुद्दीन वाडू फिलिस्तीन की चुनौती से परिचित हैं। हालांकि, उनका कहना है कि भारतीय टीम अपनी शैली के अनुसार खेलते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाने की कोशिश करेगी। उन्होंने



कहा, फिलिस्तीन एक प्रतिस्पर्धी टीम है और हम जानते हैं कि वह हमें अलग तरह की चुनौती देगी। हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन साथ ही अपनी फुटबाल शैली के अनुसार खेलना और मुकाबले पर अपनी रणनीति थोपना चाहेंगे।

भारत ने शुरुआती दो मुकाबलों में कुल 16 गोल किए हैं। टीम के आक्रामक खेल को अब तक अभियान की सबसे बड़ी खासियत माना जा रहा है। वाडू ने कहा कि टीम ने तैयारियों के दौरान जिन पहलुओं पर काम किया था, उनका असर मैदान पर दिखाई देने लगा है।

उन्होंने कहा, दो मैचों में 16 गोल करना सकारात्मक संकेत है और यह हमारी मेहनत को दर्शाता है। आक्रमण की रणनीति, खिलाड़ियों की मूवमेंट और विपक्षी गोल क्षेत्र के आसपास आपसी तालमेल पर किया गया काम अब नजर आने लगा है। हालांकि, हमें यह याद रखना होगा कि यह अभी सिर्फ शुरुआत है।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम के गोल करने में कई खिलाड़ियों ने योगदान दिया है। डल्लालमुआन गंगटे ने लगातार दो मैचों में हैट्रिक लगाई है, जबकि राज सिंह वाहेंगबाम ने गुआम के खिलाफ चार गोल दागे थे। कोच वाडू ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन पर खुशी जताई।

आरसीबी को रोमारियो शेफर्ड को रिलीज करने की जरूरत नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख से पहले रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास अन्य टीमों की तुलना में ज्यादा माथापच्ची करने की जरूरत नहीं है। दो बार की मौजूदा चैंपियन आरसीबी की नजरें खिताब की हैट्रिक लगाने पर हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा है कि टीम को रोमारियो शेफर्ड को रिलीज करने की जरूरत नहीं है। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत पर उन्हें टीम में बनाए रखना सही फैसला होगा।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान' में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने आईपीएल 2027 के लिए आरसीबी के संभावित रिटेंशन और रिलीज को लेकर अपनी राय रखी। इसमें जोश हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड को लेकर टीम के फैसलों पर भी चर्चा हुई।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि आरसीबी के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने का काम काफी आसान होना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें तो बस दर्शक बनकर आना चाहिए। बड़ी नीलामी के बाद अगर कोई टीम चैंपियन बनती है, तो उसके पास अपने प्रदर्शन को दोहराने का सबसे अच्छा मौका होता है और आरसीबी ने ऐसा ही किया है। पहले साल चैंपियन बनने के बाद उन्होंने दूसरे साल भी ट्राफी जीत ली। वे पहले ही अपना प्रदर्शन दोहरा चुके हैं और अब खिताबी हैट्रिक की बात कर रहे हैं। शायद यश दयाल को छोड़कर किसी भी खिलाड़ी को बाहर करने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए फिर से खेलना शुरू कर दिया है, इसलिए शायद हमें उन्हें भी टीम में बनाए रखना चाहिए।



हेजलवुड की उपलब्धता पर बातचीत जरूरी – जोश हेजलवुड को टीम में बनाए रखने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा कि आरसीबी को पहले उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं जोश हेजलवुड को रिटेन करूंगा। आपको उनसे बातचीत करनी होगी। वह अकेले नहीं हैं, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और हेजलवुड तीनों ऐसे खिलाड़ी हैं। इसलिए इन सभी खिलाड़ियों की फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के कार्यक्रम और खेलने की योजना के बारे में बात करनी चाहिए। अगर हेजलवुड आईपीएल में खेलने की योजना बना रहे हैं, भले ही वह आधा सत्र ही खेलें, तो उन्हें रिटेन करना चाहिए। लेकिन अगर वह खेलने को लेकर निश्चित नहीं हैं, तो फिर उन्हें रिलीज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

डेढ़ करोड़ रुपये में शेफर्ड को बनाए रखने के पक्ष में चोपड़ा – रोमारियो शेफर्ड को लेकर चोपड़ा ने कहा कि वह आरसीबी के लिए चौथे विदेशी खिलाड़ी के स्थान पर कमजोर कड़ी रहे, लेकिन इसके बावजूद टीम चैंपियन बनी। उन्होंने कहा, वास्तव में आरसीबी की कमजोर कड़ी चौथे विदेशी खिलाड़ी का स्थान था और इसके बावजूद उन्होंने चैंपियनशिप जीत ली। मुझे लगता है कि शेफर्ड का प्रदर्शन हमेशा कभी अच्छा तो कभी निराशाजनक रहेगा। लेकिन जब वह अच्छा खेलते हैं, तो बेहद शानदार खिलाड़ी साबित होते हैं। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत पर वह टीम के बजट पर ज्यादा बोझ नहीं डालते। अगर उनकी कीमत 15 करोड़ रुपये होती, तो मैं निश्चित रूप से कहता कि उन्हें रिलीज कर दो और बाजार में जाने दो, फिर देखते हैं क्या होता है। लेकिन डेढ़ करोड़ रुपये में मैं कहूंगा कि उन्हें टीम में बनाए रखो। जब कोई चीज खराब नहीं है, तो उसे ठीक करने की कोशिश क्यों करनी चाहिए

हेजलवुड को रिलीज करना बड़ी गलती होगी : मुकुंद – वहीं, अभिनव मुकुंद ने जोश हेजलवुड को पूरे सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी टीम में बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध नहीं भी होते हैं, तब भी मैं उन्हें रिलीज नहीं करूंगा। आईपीएल में ऐसे पांच या छह गेंदबाज ही हैं, जो आपके लिए इतने महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। मैं जोफ्रा आर्चर, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे विदेशी गेंदबाजों की बात कर रहा हूं।

श्री जैन श्वेताम्बर संघ सिरोही में चातुर्मास परिवर्तन 24 को

सम्पूर्णानंद कॉलानी में विराजेंगे साधु-साध्वीवृंद

सिरोही (राजस्थान), 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



अत्यंत पुण्योदय से परम पूज्य आचार्य श्री रामसुरिश्वरजी (डेहलावाला) के शिष्यरत्न, सरल स्वभावी, प्रवचन प्रभावक एवं सिरोही संघ के हितकारक गीतार्थ आचार्य प.पू. जगचन्द्रसूरिश्वरजी म.सा. आदि ठाणा का चातुर्मास पूर्ण होने के उपरांत चातुर्मास परिवर्तन का पुण्य अवसर प्राप्त हुआ है। इस उपलक्ष्य में श्री जैन श्वेताम्बर संघ, सिरोही की ओर से विशेष आयोजन किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार्तिक सुदी पूर्णिमा, मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को प्रातः लगभग 7:15 बजे चौमुखा मंदिर से चैत्य परिपाटी के तुरंत बाद साधु समुदाय चतुर्विध संघ के साथ बाजे-गाजे एवं धार्मिक उल्लास के बीच अपने नए निवास स्थान सम्पूर्णानंद कालानी, सिरोही की ओर प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं एवं जैन समाज के श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस पुण्य अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर संघ, सिरोही की आज्ञा से श्रीमती सुगनबाई नैनमलजी सिंघी परिवार, सिरोही निवासी द्वारा आयोजन के प्रति विशेष अनुरोध किया गया है। साथ ही श्रीमती सविताबेन रमेशजी सिंघी एवं सिंघी परिवार के प्रति भी इस धार्मिक प्रसंग पर शुभकामनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

इस अवसर पर जैन रत्न रमेश पुखराजजी तातेड, सिकंदराबाद (सिरोही निवासी) एवं सिरोही प्रवासी जैन संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से रमेशजी सिंघी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की गई हैं। उन्होंने चातुर्मास परिवर्तन के इस पावन प्रसंग को समाज के लिए हर्ष, धर्मलाभ एवं आध्यात्मिक प्रेरणा का अवसर बताया।इसके साथ ही चेन्नई निवासी अभयचंद भानाजी परिवार को भी सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। समाजजनों ने सभी लाभार्थी परिवारों के प्रति अनुमोदना व्यक्त करते हुए उनके धार्मिक समर्पण एवं पुण्य भावना की सराहना की।

आयोजकों ने समस्त श्रावक-श्राविकाओं एवं जैन समाज के बंधुओं से अपील की है कि वे चातुर्मास परिवर्तन के इस पावन कार्यक्रम में सहभागी बनकर संघ समारोह की शोभा बढ़ाएं तथा साधु-साध्वी भगवंतों के मंगल विहार में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

गौ माता केवल आस्था नहीं, भारतीय सनातन संस्कृति की आत्मा हैं : डॉ. चंद्रकला अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास मंगलवार को गोपाष्टमी के पावन अवसर पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. चंद्रकला अग्रवाल ने गौ माता के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौ माता के शरीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है।



गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय सनातन धर्म और संस्कृति की आत्मा हैं। भारतीय परंपरा में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, क्योंकि वह अपने पूरे जीवन में मानव समाज के कल्याण और पोषण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी भारतीय संस्कृति, विशेषकर ब्रज की धार्मिक परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने गौवंश की रक्षा और सेवा के माध्यम से गोपाल एवं गोविंद जैसे पावन नाम प्राप्त किए। मान्यता है कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से सप्तमी तक भगवान श्रीकृष्ण ने गोप-गोपियों और गायों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत धारण किया था। इसी पावन प्रसंग की स्मृति में कार्तिक शुक्ल अष्टमी को गोपाष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि गाय का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिस प्रकार मां अपने बच्चों का निस्वार्थ भाव से पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार गौ माता भी मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार से उपयोगी हैं। इसलिए गौ माता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ उनकी सेवा, सुरक्षा और संरक्षण करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। गोपाष्टमी हमें केवल पूजा-अर्चना का संदेश नहीं देती, बल्कि गौवंश के प्रति संवेदनशीलता और उनके संरक्षण के लिए जीवन में सकारात्मक संकल्प लेने की प्रेरणा भी देती है।

उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर गौशालाओं में गौ पूजन, गौ सेवा और गौ-संवर्धन के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गौ माता को स्नान कराकर, पुष्प, चंदन एवं अन्य पूजन सामग्री से विधिवत पूजा की जाती है तथा उन्हें हरा चारा और भोजन अर्पित किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौ माता की सेवा और उनके प्रति समर्पण से पुण्य एवं सौभाग्य की प्राप्ति होती है। लेकिन सच्ची गौ सेवा तभी सार्थक होगी, जब हम अपने दैनिक जीवन में भी गौ माता की रक्षा और देखभाल के लिए आगे आएंगे।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की नियमित अन्नसेवा की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सेवा, करुणा, दया और परोपकार की भावना को मजबूत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और बेजुबान प्राणियों के प्रति प्रेम रखना ही भारतीय संस्कृति के वास्तविक संस्कार हैं। धार्मिक पर्वों का उद्देश्य भी समाज में मानवीय मूल्यों, सेवा भावना और जीवमात्र के प्रति करुणा को जागृत करना है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, ई-जगन चंपापेट, भगतराम गोयल, सुमनलता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने गोपाष्टमी के पावन अवसर पर गौ माता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए गौ सेवा, गौ रक्षा, अन्नसेवा और निस्वार्थ मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

अपोलो ने फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में पेरेंट्स एंड चिल्ड्रेन इंस्टीट्यूट शुरू किया

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपोलो हॉस्पिटल्स ने मंगलवार को अपने फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट स्थित परिसर में अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ पेरेंट्स एंड चिल्ड्रेन का उद्घाटन किया। इसके माध्यम से महिलाओं, माताओं, नवजात शिशुओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। संस्थान का उद्घाटन अपोलो हॉस्पिटल्स प्रोजेक्ट्स की निदेशक उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने किया।



इस संस्थान में प्रसूति चिकित्सा के लिए विशेष विंग, लेवल-3 नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) तथा इससे जुड़ा पेरिनेटल सेंटर स्थापित किया गया है। यहां उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं और समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं सहित माताओं एवं नवजातों को व्यापक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

संस्थान में प्रजनन क्षमता संबंधी परामर्श, भ्रूण की जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का प्रबंधन, मातृत्व देखभाल, विशेष प्रसव एवं डिलीवरी सेवाएं तथा सामान्य बाल चिकित्सा सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने जुड़वां बच्चों के जन्म के बाद प्रसवोत्तर चुनौतियों से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद महिलाओं को भावनात्मक एवं चिकित्सकीय सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'जुड़वां बच्चों के जन्म के बाद मेरा प्रसवोत्तर अनुभव बेहद कठिन रहा। इस बारे में बात करना अभी भी मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत मुश्किल है। दंपतियों को खुद को अलग-थलग नहीं करना चाहिए, बल्कि आगे आकर मदद और सहयोग लेना चाहिए।'

महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रसव के बाद भी प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि समाज में गर्भावस्था और प्रसव का उत्सव तो मनाया जाता है, लेकिन चौथी तिमाही यानी प्रसव के बाद के शुरुआती महीनों में महिलाओं को होने वाली भावनात्मक एवं शारीरिक परेशानियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को गर्भावस्था की पहली तिमाही से लेकर चौथी तिमाही तक व्यापक सहयोग मिलना चाहिए।

अपोलो हॉस्पिटल्स, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट की वरिष्ठ सलाहकार स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. फणी ज्योत्सना ने कहा कि इस संस्थान का उद्देश्य महिलाओं को जीवन के प्रत्येक चरण में व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप बहुविषयक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही नवजात शिशुओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। संस्थान की एकीकृत चिकित्सा व्यवस्था से बीमारियों की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार और समन्वित चिकित्सा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

मंडार जैन संघ के अखिल भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर मैदान का निरीक्षण

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडार जैन संघ के तत्वावधान में 24 से 27 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले अखिल भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में संघ के पदाधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने निर्धारित क्रिकेट मैदान का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।



मंडार संघ के अध्यक्ष सुधीर कोठारी एवं जैन रत्न रमेश पी. तातेड (सिकंदराबाद-सिरोही) के अनुसार, इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 9 टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से मैदान की व्यवस्था, खिलाड़ियों की सुविधाओं तथा आयोजन से जुड़ी विभिन्न तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन समिति प्रतियोगिता को सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं में जुटी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दुनिया...

अमेरिका, रूस और चीन के बीच संभावित बैठक को लेकर अभी कई सवाल हैं। क्या तीनों देश वैश्विक मुद्दों पर साझा रणनीति तैयार करेंगे? क्या यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की परिस्थितियों पर कोई सहमति बनेगी? और क्या इससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आएगा? इन सवालों के जवाब आने वाले समय में सामने आ सकते हैं।

हिंद महासागर...

राष्ट्रपति ट्रंप और जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची ने भी मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मजबूत बनाने, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों से मिलकर निपटने पर जोर दिया। चारों नेताओं ने आसियान की केंद्रीय भूमिका और एकता के प्रति समर्थन दोहराते हुए मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

हिंद महासागर में भारत की अहम भूमिका

संयुक्त बयान के अनुसार, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री निगरानी बढ़ाने और आपसी सहयोग मजबूत करने के लिए चारों देश अलग-अलग भूमिकाएं निभाएंगे। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के विमान समुद्री निगरानी में अहम भूमिका निभा सकते हैं, जबकि भारत हिंद महासागर में समुद्र के भीतर संचार केबल बिछाने की परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बयान में कहा गया कि एक दशक बाद क्वाड का साझा दृष्टिकोण पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है।

चारों नेताओं ने क्वाड को शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध साझेदारी बताते हुए कहा कि यह सकारात्मक पहल और ठोस कार्रवाई का मंच है। संयुक्त बयान में बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने वाली किसी भी अस्थिरकारी अथवा एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध किया गया। इसमें निर्यात प्रतिबंधों सहित आर्थिक दबाव बनाने वाले मनमाने कदमों पर भी गंभीर चिंता जताई गई। इसे चीन की ओर से महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सीमित करने की कोशिशों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

आपूर्ति श्रृंखला और नई तकनीक पर जोर

क्वाड नेताओं ने महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने, नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता की रक्षा करने तथा भरोसेमंद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में निवेश और उसके उपयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा आपदाओं के दौरान जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित एवं खुले समुद्री परिवहन गलियारों को सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी।

कहानी राजघराने की...

इससे पहले 14 अक्टूबर को भी प्रतिमा देवी के साक्ष्य दर्ज कराने के मुद्दे पर सुनवाई हुई थी। प्रतिमा देवी, ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे की बेटी हैं। संपत्ति बंटवारे से जुड़े पारिवारिक समझौते पर उनकी आपत्ति के बाद यह मामला अदालत में विचाराधीन है। इसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ वसुंधरा राजे, यशोधरा राजे और ऊषा राजे के बीच हुए समझौते से संबंधित पहलुओं पर भी सुनवाई हो रही है।

18 नवंबर की सुनवाई महत्वपूर्ण

अब सभी की निगाहें 18 नवंबर को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। इसमें प्रतिमा देवी अपने आरोपों के समर्थन में कौन से साक्ष्य प्रस्तुत करती हैं और हस्ताक्षरों को लेकर दोनों पक्ष क्या दलीलें देते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा। साथ ही पारिवारिक रात्रिभोज और तस्वीरों के उल्लेख पर भी अदालत में चर्चा हो सकती है।

करीब 41 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़ा यह विवाद अब केवल बंटवारे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की परिस्थितियां भी सुनवाई का प्रमुख मुद्दा बन गई हैं।

हाँ नहीं ...

राज्यसभा सांसद अजय माकन को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। असलम शेख और बी.वी. श्रीनिवास को समिति का सदस्य बनाया गया है। यह समिति उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में भूमिका निभाएगी।

2024 का फॉर्मूला बन सकता है आधार

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में समाजवादी पार्टी ने 63 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस आधार पर कांग्रेस की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत थी। इसी अनुपात को विधानसभा की 403 सीटों पर लागू करने पर कांग्रेस के हिस्से में लगभग 86 सीटें आ सकती हैं। वहीं, 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के आधार पर यह संख्या करीब 81 होगी। इस प्रकार 80 से 86 सीटों का फॉर्मूला बातचीत का संभावित आधार हो सकता है। हालांकि, दोनों दलों ने इसे आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस की कथित 181 सीटों की मांग और इस संभावित फॉर्मूले के बीच बड़ा अंतर है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। दोनों दलों को मिलाकर 43 सीटें मिली थीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी को 33 सीटें प्राप्त हुई थीं। अब सभी की नजरें 23 से 25 नवंबर के बीच प्रस्तावित बातचीत पर टिकी हैं।

बांग्लादेश में...

बांग्लादेश के गोपालगंज जिले से सामने आ रही घटनाओं ने राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है। यह जिला अवामी लीग का पारंपरिक गढ़ माना जाता है। खबरों के अनुसार, अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कई रैलियां निकाली हैं। बीएनपी नेताओं के घरों में तोड़फोड़, ग्रामीण बैंक की शाखाओं में आगजनी और पुलिस वाहनों पर हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार को सीमा सुरक्षा बल बांग्लादेश की टुकड़ियां तैनात करनी पड़ी हैं।

अफसरशाही पर भी सवाल

शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के करीब दो साल बाद भी बांग्लादेश के प्रशासनिक एवं पुलिस तंत्र में राजनीतिक प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

चटगांव रेंज रिजर्व फोर्स के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद जहांगीर आलम को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए जाने की खबर है। प्राथमिकी एवं जांच के अनुसार, उन पर व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के माध्यम से अवामी लीग के फरार नेताओं के संपर्क में रहने का आरोप है।

बताया गया है कि उन्होंने 8 नवंबर को एक संदेश भेजा था, जिसमें दिसंबर में बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव की संभावना जताई गई थी। इस मामले में फॉरेंसिक जांच के बाद अदालत ने उन्हें चार दिन की रिमांड पर भेजा। वहीं, गोपालगंज में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर वहां के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और तीन थानों के अधिकारियों का तबादला किए जाने की भी खबर है।

हसीना की वापसी को लेकर असमंजस

बांग्लादेश सरकार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने की खबर भी सामने आई है। हालांकि, उनकी संभावित वापसी बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के लिए राजनीतिक और कानूनी चुनौती बन सकती है।

यदि हसीना स्वदेश लौटती हैं तो उनके समर्थकों और विरोधी राजनीतिक संगठनों के बीच टकराव की आशंका जताई जा रही है। वहीं, उनके खिलाफ कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण हो सकती है।

16 दिसंबर पर टिकी निगाहें

शेख हसीना की संभावित वापसी को लेकर अभी कई सवाल अनुत्तरित हैं। यदि वह 16 दिसंबर को ढाका पहुंचती हैं तो अवामी लीग और बीएनपी-जमात से जुड़े राजनीतिक समूहों के बीच तनाव बढ़ सकता है। हालांकि, बांग्लादेश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति बनने की आशंका फिलहाल विश्लेषण और राजनीतिक अटकलों पर आधारित है। आने वाले दिनों में वहां की राजनीतिक परिस्थितियां इस पूरे घटनाक्रम की दिशा तय करेंगी।

पुतिन ...

वर्ष 2018 में पुल तैयार होने पर पुतिन ने स्वयं ट्रक चलाकर इसका उद्घाटन किया था। इसे यूरोप का सबसे लंबा पुल और रूस द्वारा निर्मित सबसे बड़ा पुल बताया जाता है।

इस परियोजना पर लगभग 3.7 अरब डॉलर खर्च हुए थे, जिसकी भारतीय मुद्रा में कीमत करीब 30 हजार करोड़ रुपये बताई गई है। यह पुल पुतिन के लिए केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि क्रीमिया पर रूस के नियंत्रण का प्रतीक भी रहा है। युद्ध के दौरान रूसी सेना तक सैन्य उपकरण, ईंधन और अन्य जरूरी सामान पहुंचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

यूक्रेन ने बताया मास्टरस्ट्रोक

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने केर्च ब्रिज पर किए गए अभियान को मास्टरस्ट्रोक बताया है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, कई सप्ताह तक रूस की वायु रक्षा प्रणाली को कमजोर करने के बाद मिसाइलों और ड्रोन के जरिए पुल को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि पुल के सड़क वाले हिस्से का एक आर्च और एक स्पैन ढह गया है, जिससे सड़क संपर्क टूट गया। रेलवे लाइन खड़ी है, लेकिन उसके आर्च को नुकसान पहुंचा है। जनरल स्टाफ ने अपने बयान में कहा कि कब्जे का प्रतीक अब टूट गया है।

पहले भी हो चुके हैं हमले

क्रीमिया ब्रिज पर यह पहला हमला नहीं है। अक्टूबर 2022 में ट्रक बम विस्फोट से पुल को नुकसान पहुंचा था, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। जुलाई 2023 में भी यूक्रेन ने समुद्री ड्रोन से इसे निशाना बनाया था। जून 2025 में पुल के सहायक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया था।

इस बीच रूस की सेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए, जिनसे यूक्रेन की राजधानी के दो प्रमुख पुलों को नुकसान पहुंचने और कम से कम दो लोगों की मौत होने की खबर है।

एक और...

समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में 19 और 20 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा भी हो सकती है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ सकता है।

तेज हवाओं और बारिश का असर

तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और कमजोर निर्माणों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। कृषि क्षेत्रों में फसलों पर भी असर पड़ सकता है। ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी बारिश का प्रभाव दिखाई दे सकता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय मोहापात्र ने चेतावनी दी है कि 19 और 20 नवंबर को आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में 24 घंटे के दौरान 20 से 30 सेंटीमीटर तक वर्षा होने की संभावना है। इससे शहरी क्षेत्रों में जलभराव, अचानक बाढ़ और निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा है।

चक्रवात के तट से टकराने के समय समुद्र का जलस्तर 1 से 2 मीटर तक बढ़ सकता है। इससे पश्चिम गोदावरी, कोनासीमा और आसपास के निचले इलाके प्रभावित हो सकते हैं। 19 नवंबर की रात से 20 नवंबर की दोपहर तक का समय विशेष रूप से संवेदनशील रहने की आशंका है।

तेलंगाना और ओडिशा में भी अलर्ट

ओडिशा के दक्षिणी जिलों में भारी बारिश तथा 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वी तेलंगाना में भी भारी बारिश और 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं का प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर भारत पर इसका सीधा असर पड़ने की संभावना नहीं जताई गई है। डॉ. मोहापात्र के अनुसार, अक्टूबर से दिसंबर के बीच तीन चक्रवात आना सामान्य है, लेकिन इस बार तीनों का आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ना असामान्य है। उन्होंने वर्ष 1987 के घटनाक्रम का भी उल्लेख किया।

प्रशासन ने तेज की तैयारियां

आंध्र प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर चेतावनी देने, आवश्यक सेवाएं जारी रखने तथा जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन को गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को तत्काल हटाने, बचाव एवं पुनर्वास कार्य तेज करने तथा नहरों और तालाबों में पानी के बहाव को बाधित होने से रोकने के उपाय करने को कहा गया है।

मौसम विभाग ने तटीय क्षेत्रों के लोगों से आधिकारिक मौसम बुलेटिन पर नजर रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 18 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पूछा-चुनाव के दौरान किए गए वादे आखिर कहां गए?

विधवा और एकल महिलाओं की पेंशन: 2,016 से बढ़ाकर 4,016 रुपये करने का वादा याद दिलाया

दिव्यांगों को राहत: 4,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपये पेंशन देने की मांग





हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया है कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों से पेंशन बढ़ाने के जो वादे किए थे, वे आखिर कहां गए? उन्होंने कहा कि गरीबों, विधवा महिलाओं, एकल महिलाओं और दिव्यांगजनों को उनके हक की बढ़ी हुई पेंशन अब तक नहीं मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

टी. राजा सिंह ने बताया कि हिंदनगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विधवा महिलाओं, एकल महिलाओं एवं दिव्यांगजनों के पेंशन कार्ड वितरण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान जरूरतमंद लाभार्थियों को पेंशन कार्ड वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को पेंशन कार्ड देना सराहनीय है, लेकिन इसके साथ ही सरकार को अपने चुनावी वादे भी पूरे करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने से पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गरीब और जरूरतमंद लोगों से कई बड़े वादे किए थे। इनमें वर्तमान में रु.2,016 पेंशन प्राप्त कर रही विधवा महिलाओं एवं अन्य पात्र लाभार्थियों की पेंशन बढ़ाकर रु.4,016 करने तथा रु.4,000 पेंशन प्राप्त कर रहे दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाकर रु.6,000 करने का वादा शामिल था।

टी. राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सीधा सवाल किया कि चुनाव के समय किए गए ये वादे अब तक पूरे क्यों नहीं किए गए? उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बने लगभग तीन साल हो चुके हैं और अब सरकार के कार्यकाल के केवल दो साल शेष हैं। इसके बावजूद गरीबों, विधवा महिलाओं, एकल महिलाओं और दिव्यांगजनों को उनके हक की बढ़ी हुई पेंशन क्यों नहीं दी जा रही है?

उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक गरीब लोगों की भावनाओं और उम्मीदों के साथ खिलवाड़ किया जाएगा?

उन्होंने स्पष्ट किया कि पेंशन सरकार की कोई मेहरबानी नहीं है, बल्कि उन जरूरतमंद लोगों का अधिकार है, जिनका जीवन इसी आर्थिक सहायता पर निर्भर है।

टी. राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मांग की कि वे चुनाव के दौरान किए गए वादों को तुरंत पूरा करें और बिना किसी देरी के बढ़ी हुई पेंशन लागू करें।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की गरीब जनता को खोखले वादे नहीं, बल्कि अपने हक का सम्मान और आर्थिक सहायता चाहिए।



गोपाष्टमी पर बेगम बाजार में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर विशेष रूप से अन्नदान के साथ गौसेवा भी की गई।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने गौमाता के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का स्थान अत्यंत पूजनीय है। गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और जीवों के प्रति प्रेम प्रकट करने का माध्यम भी है। गोपाष्टमी हमें गौमाता के संरक्षण, संवर्धन और सेवा का संकल्प लेने की प्रेरणा देती है। जरूरतमंदों को अन्नदान करना और गौमाता की सेवा करना मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ समाज में निस्वार्थ सेवा की अलख जगा रहा है। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, नरेश बंसल, राजेश सर योगा, मीना अग्रवाल एवं लता गोयल सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा का दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद 22 को

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की ओर से दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन रविवार, 22 नवंबर को रात्रि में नेकलेस रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में किया जाएगा।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल कार्यक्रम के प्रधान संयोजक होंगे, जबकि अजय डालमिया, रितेश झुनझुनवाला एवं दिनेश पंसारी कार्यक्रम के संयोजक का दायित्व निभाएंगे। शाखा का महिला प्रकोष्ठ अग्र महिला समिति भी आयोजन में सहयोग प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के दौरान शाखा के सदस्य एवं उनके परिजन एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देंगे। भगवान को भोग अर्पित करने के पश्चात अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर पं. श्री सुदामाचार्य जी द्वारा लाइव भजनों की मधुर प्रस्तुति कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगी। साथ ही उपस्थित सदस्यों में से चुनिंदा भाग्यशाली लोगों को प्रायोजित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।



नवनियुक्त हैदराबाद पुलिस कमिश्नर महेश मुरलीधर भगवत को बधाई देते हुए गोविंद जाजू एवं रमाकांत जाजू।

जन सेवा संघ द्वारा आयोजित छठ महापर्व सफलतापूर्वक संपन्न



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ द्वारा इस वर्ष छठ महापर्व का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संघ के महासचिव श्री सुरेश पंडित ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आयोजन हमारे मार्गदर्शक एवं मेंटर आदरणीय श्री वी.के. सिंह, आईपीएस (सेवानिवृत्त) के मार्गदर्शन में तथा उत्सव समिति के अध्यक्ष श्री आर.पी. सिंह के नेतृत्व में किया गया।

जन सेवा संघ की ओर से सरकारी अधिसूचना के अंतर्गत घोषित 30 घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गईं। इसके अतिरिक्त भी कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। इस वर्ष आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के चलते किसी भी घाट पर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और संपूर्ण आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हुआ।

छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने जन सेवा संघ द्वारा की गई व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ से सराहना की। छठ पूजा समिति के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने लगातार तीन दिनों तक दिन-रात अलग-अलग पालियों में कार्य करते हुए सभी घाटों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कीं।

नेकलेस रोड घाट रहा आकर्षण का केंद्र

विशेष रूप से नेकलेस रोड स्थित घाट श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। यहां आकर्षक विद्युत सजावट एवं प्रकाश व्यवस्था के साथ तैराकों की तैनाती, नावों की व्यवस्था, स्वास्थ्य जांच शिविर तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। इसके अलावा पेयजल, चाय एवं प्रसाद की भी समुचित व्यवस्था की गई थी।

इस पावन अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, श्रीमती के. दीपिका नरेश, कॉर्पोरेटर, मोड़ा मार्केट, सिकंदराबाद तथा श्रीमती सुचित्रा ने नेकलेस रोड घाट पहुंचकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की।

छठ महापर्व के प्रथम दिन केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं, मेडचल-मलकाजगिरी क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर सांसद श्री ईटेला राजेंद्र ने भी पहुंचकर पूजा-अर्चना की। राजेंद्रनगर के स्थानीय विधायक श्री प्रकाश गौड़ ने भी भगवान भास्कर की पूजा की।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं से हैदराबाद में ही छठ व्रत एवं पूजा का आयोजन करने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार और जनप्रतिनिधियों की ओर से श्रद्धालुओं को पूजा के लिए हरसंभव सुविधाएं एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने छठ पूजा के सफल आयोजन के लिए जन सेवा संघ के प्रयासों की सराहना की।

प्रातःकालीन अर्घ्य के समय श्री वी.के. सिंह ने भी घाट पर पहुंचकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की तथा संपूर्ण घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने जन सेवा संघ के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों की निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि सदस्यों ने अपेक्षाओं से कहीं बढ़कर कार्य किया है। उन्होंने छठ पूजा समिति की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा अगले वर्ष आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने की पूजा

इस वर्ष छठ महापर्व के दौरान 80,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने विभिन्न घाटों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक रही। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को जन सेवा संघ के प्रति लोगों के विश्वास तथा संगठन के सदस्यों की अथक मेहनत का प्रमाण बताया गया।

छठ पूजा समिति के अध्यक्ष श्री आर.पी. सिंह एवं उनकी पूरी टीम, जन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह, महासचिव श्री सुरेश पंडित तथा कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उत्सव समिति के संयोजक श्री आर.पी. सिंह ने सभी घाट प्रभारियों को उनके कुशल आयोजन के लिए बधाई दी। विशेष रूप से नेकलेस रोड घाट के अध्यक्ष श्री गोविंद तिवारी, उपाध्यक्ष नारायण ओझा, सचिव श्री श्रीनिवास तथा कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह सहित वरिष्ठ सदस्यों मदनलाल रावल, राजीव चौबे, विनीत सिंह, राजेश शर्मा, दिनेश चंदन, मोहम्मद मुनव्वर, आनंद ओझा, सोनू पाठक एवं प्रिया शर्मा के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। साथ ही जीतू द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की गई।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष श्री एस.ए. खान, कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव, श्री गोविंद तिवारी, श्री राजीव चौबे, श्री मदनलाल रावल, श्री विनीत सिंह, श्री मोहम्मद मुनव्वर, श्री नारायण ओझा, श्री मिंटू ओझा, श्री राजेश शर्मा, मिस प्रिया शर्मा एवं उनकी टीम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंत में जन सेवा संघ ने सभी छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों, स्वयंसेवकों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। संगठन ने भविष्य में भी इसी उत्साह, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ छठ महापर्व का आयोजन करने की प्रतिबद्धता दोहराई।



जलपल्ली, काटेदान स्थित एम.बी. कन्वेंशन (मराठा भवन) में रामानन्द सम्प्रदाय जिला सेवा समिति, रंगारेड्डी जिला की ओर से आयोजित रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्यजी की पादुकाओं के दर्शन-पूजन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सन्नम श्रीनिवास गौड़, राजेंद्रनगर मंडल पार्षद तोकला श्रीनिवास रेड्डी, बीआरएस नेता कार्तिक रेड्डी, तेलंगाना पीठ समिति के पीठ प्रमुख तथा बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक पादुकाओं के दर्शन एवं पूजन का लाभ लिया।



अत्तापुर स्थित पांडुरंग नगर के करणी माताजी मंदिर में अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कर दर्शन करते हुए पंडित गोविंद महाराज, चंदूलाल सोमानी, जयकिशन सोमानी, श्रीनिवास सोमानी, मधु सोमानी, राजेश सोमानी, श्रीमती निर्मला सोमानी, श्रीमती दुर्गा सोमानी, श्रीमती बसंती सोमानी, मनोहर कांकानी एवं राजेश सोमानी।

स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की प्रचार सामग्री लोकार्पित



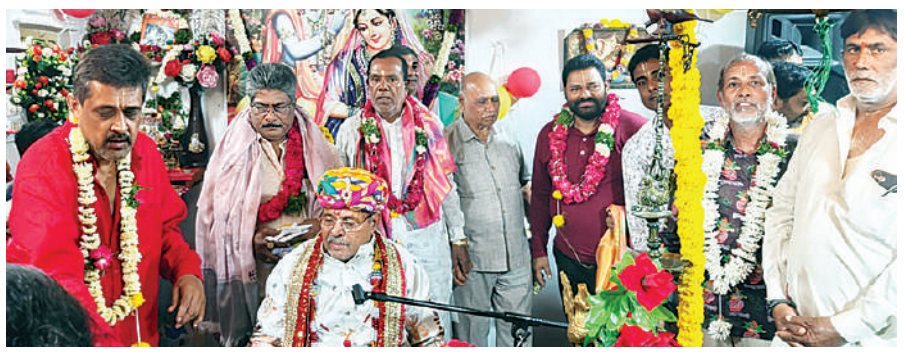
हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा 27 दिसंबर 2026 को ऋषि श्रृंग भवन में आयोजित होने वाले स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण श्री रामचंद्रजी मठ संगम, लंगरहौज के महंत 1008 श्री श्री राहुल दासजी महाराज तथा पारीक मंदिर में श्री सुखदेवजी जोशी, अशोक पारीक एवं मनोहर खटोड़ के हाथों संपन्न हुआ।इस अवसर पर मोतीलाल तिवारी, रामदेव नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, विजय कुमार उपाध्याय, रामदेव व्यास, दिनेश नागला, सुरेश खटोड़, नरेश खटोड़, सुरेश कुमार व्यास, विष्णु पुरोहित एवं श्रीलाल पारीक सहित अनेक विप्र बंधु उपस्थित थे।

रवीना टंडन ने किए बाबा श्रीमहाकालेश्वर के दर्शन, पुजारियों ने दिया आशीर्वाद



उज्जैन, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन एवं उनकी पुत्री नवोदित अभिनेत्री राशा टंडन ने उज्जैन स्थित तृतीय ज्योतिर्लिंग, अनंत कोटि ब्रह्मांड नायक देवाधिदेव भगवान श्रीमहाकालेश्वर के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पुजारीद्वय रमण गुरुजी एवं डॉ. दिनेश गुरुजी ने अभिनेत्री रवीना टंडन, उनकी पुत्री राशा टंडन और परिवारजनों को मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही बाबा श्रीमहाकालेश्वर का विशेष दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सत्कार किया।

डॉ. दिनेश गुरुजी ने बताया कि कार्तिक मास में भगवान श्रीमहाकालेश्वर के दर्शन-वंदन का विशेष महत्व है। उल्लेखनीय है कि अपने समय में अनेक सुपरहिट फिल्मों के माध्यम से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली और 'मस्त-मस्त गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपने पूरे परिवार एवं स्टाफ के साथ बाबा की शयन आरती में पूर्ण भक्तिभाव से भाग लिया और प्रार्थना की। बताया गया कि रवीना टंडन नियमित रूप से श्रद्धा भाव के साथ उज्जैन पहुंचकर बाबा श्रीमहाकालेश्वर के दर्शन-वंदन का लाभ लेती हैं। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासन एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष फलवड़िया ने दोनों अभिनेत्रियों का स्वागत एवं सम्मान किया।



श्रीमद्भागवत कथा में भाग लेते हुए पूर्व बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, कांग्रेस नेता एन.के. सिंह, भारत मान सिंह, गजानंद चौधरी, भीमलाल यादव, ओमकार यादव, शंकरलाल यादव, अमर यादव, विष्णु यादव एवं दिनेश यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति ।

केबीआर पार्क पर श्रद्धा और समर्पण के साथ किया गया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने पूरे श्रद्धा, प्रेम और सेवाभाव के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान किया।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं सुभाष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। किसी जरूरतमंद की भूख मिटाने से मिलने वाला आत्मिक संतोष ही सच्ची सेवा का आधार है। समाज में जब प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता करने का संकल्प लेता है, तभी सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना है।

ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा के माध्यम से यही संदेश दिया जा रहा है कि सेवा के लिए धन से अधिक महत्वपूर्ण मन में करुणा, प्रेम और समर्पण का भाव होना चाहिए। मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और इसी भावना को आत्मसात करते हुए ग्रुप निरंतर अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

अन्नकूट महाप्रसाद महोत्सव में शामिल हुए तलसानी



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने सोमवार रात रामगोपालपेट डिवीजन के रंगरेज बाजार स्थित सिखवाल भवन में आयोजित अन्नकूट महाप्रसाद महोत्सव में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने श्री खाटू श्याम बाबा के दरबार में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धालुओं को अन्नप्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों ने तलसानी श्रीनिवास यादव का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया तथा उन्हें तीर्थ-प्रसाद भेंट किया। कार्यक्रम में डिवीजन बीआरएस पार्टी अध्यक्ष अत्तिली श्रीनिवास गौड़, के. किशोर, आंजनेयुलु, गणेश, अरुण भट्ट, आनंद पाटिल, चंद्रप्रकाश सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सर्व समाज क्रिकेट एकता प्रीमियर लीग 22 से

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सर्व समाज क्रिकेट एकता प्रीमियर लीग का भव्य आयोजन आगामी 22 से 25 दिसंबर 2026 तक विजयानंद क्रिकेट ग्राउंड में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में विभिन्न समाजों की कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक समाज की ओर से एक टीम मैदान में उतरेगी।आयोजक ठाकुर सतीश सिंह ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ 22 दिसंबर को सुबह 7 बजे होगा। प्रतियोगिता में विभिन्न समाजों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न समाजों के बीच आपसी भाईचारा, एकता, सद्भावना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। क्रिकेट के माध्यम से सभी समाजों को एक मंच पर लाकर आपसी मेलजोल बढ़ाना और सामाजिक एकता को मजबूत करना इस प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य है।

केटीआर से मिले शिक्षक

स्कूल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि बनने का दिया निमंत्रण



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष कलवकुंतला तारक रामा राव (केटीआर) से सेंट जॉर्ज ग्रामर स्कूल के शिक्षकों ने शिष्टाचार भेंट की। मंगलवार को गोशामहल के बीआरएस नेता आनंद कुमार गौड़ के नेतृत्व में स्कूल की शिक्षिकाओं वनिता, गीता, वरुणा एवं अन्य शिक्षकों ने तेलंगाना भवन में केटीआर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अगले वर्ष आयोजित होने वाले स्कूल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए उनसे समय देने का अनुरोध किया।

इस पर केटीआर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे स्वयं एबिड्स स्थित सेंट जॉर्ज ग्रामर स्कूल के छात्र रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपने स्कूली दिनों की मधुर यादें साझा कीं और पुराने स्कूल के शिक्षकों से मिलकर खुशी जाहिर की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सेंट जॉर्ज ग्रामर हाई स्कूल के विकास के लिए वे हमेशा अपनी ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

केटीआर के इस आश्वासन पर शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही स्कूल के प्रिंसिपल सहित सभी शिक्षकों के साथ उनसे दोबारा मुलाकात करेंगे। साथ ही, केटीआर से मिलने का समय दिलाने और उनके अनुरोध पर तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया दिलवाने के लिए आनंद कुमार गौड़ का आभार व्यक्त किया।

लोकेशऋषिजी ने वर्ष 2027 का चातुर्मास जैन श्री संघ मलकपेट, हैदराबाद में करने की दी स्वीकृति

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मधुर वक्ता, प्रवचन प्रभाकर पूज्य श्री लोकेशऋषिजी म.सा. ने आगामी वर्ष 2027 का चातुर्मास जैन श्री संघ, मलकपेट, हैदराबाद में करने की स्वीकृति प्रदान की है। उनकी इस स्वीकृति से मलकपेट जैन श्री संघ एवं समाज में हर्षोल्लास का वातावरण है।

जिन शासन दीपिका, मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 वर्तमान में बम्ब सिंघी भवन में सुखसाता पूर्वक चातुर्मास हेतु विराजित हैं।

यह जानकारी चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि जैन श्री संघ, मलकपेट के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को पुणे स्थित रविवार पेठ वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सादड़ी सदन में चातुर्मास हेतु विराजित दक्षिण भारतीय प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री कल्याणऋषिजी म.सा. के सुशिष्य एवं ध्यानयोगी, श्रमण संघीय आचार्य सम्राट डॉ. शिवमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती पूज्य श्री लोकेशऋषिजी म.सा. के दर्शनार्थ पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने उनके दर्शन-वंदन का लाभ लिया।



संघ ने रखी चातुर्मास की विनती

प्रवचन के पश्चात संघ के मंत्री अशोक सिंघवी ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने पूज्य श्री लोकेशऋषिजी म.सा. के चरणों में आगामी वर्ष 2027 का चातुर्मास मलकपेट, हैदराबाद में करने की विनती प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि चातुर्मास के दौरान आध्यात्मिक वातावरण में धर्म, आराधना, तप, त्याग और भक्ति के विभिन्न आयोजन करवाना संघ का प्रमुख लक्ष्य रहेगा।

गुरुदेव ने प्रदान की स्वीकृति

पूज्य गुरुदेव श्री लोकेशऋषिजी म.सा. ने संघ की विनती को स्वीकार करते हुए कहा कि काल, भाव, द्रव्य एवं क्षेत्र का विशेष ध्यान रखते हुए वे आगामी वर्ष 2027 का चातुर्मास जैन श्री संघ, मलकपेट, हैदराबाद में करेंगे। गुरुदेव की स्वीकृति की घोषणा होते ही प्रवचन सभा में हर्षोल्लास छा गया। इसे जैन श्री संघ मलकपेट एवं समस्त समाज के लिए गौरव, हर्ष और सौभाग्य का विषय बताया गया।

इस अवसर पर जैन श्री संघ मलकपेट की ओर से रविवार पेठ वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सादड़ी सदन, पुणे के पदाधिकारियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। प्रतिनिधिमंडल में जैन श्री संघ मलकपेट के मार्गदर्शक कुशलराज पोकरणा, अध्यक्ष सुरेश गादिया, मंत्री अशोक सिंघवी एवं चातुर्मास प्रधान संयोजक दिलीप गादिया उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पुणे में विराजित पूज्य श्री नरेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के भी दर्शन-वंदन का लाभ लिया।

साहित्य अलंकार नहीं, बल्कि वास्तविक समाज का दर्पण होता है : प्रो. लिंबाले



उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में विशेष अतिथि व्याख्यान संपन्न

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज स्थित हिंदी विभाग की ओर से सोमवार, 16 नवंबर को विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं 'सरस्वती सम्मान' से अलंकृत प्रो. डॉ. शरणकुमार लिंबाले (पुणे) उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य केवल अलंकार नहीं, बल्कि वास्तविक समाज का दर्पण होता है। समाज की सच्चाई को साहित्य में अभिव्यक्त करने के लिए असीम साहस की आवश्यकता होती है।

अच्छी संगत से बनते हैं श्रेष्ठ विचार

अपने व्याख्यान में प्रो. लिंबाले ने अपने शुरुआती लेखन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रारंभिक दौर में वे भी अभिनेत्रियों से प्रभावित होकर श्रृंगारिक कविताएं लिखा करते थे, लेकिन बाद में उन्होंने महसूस किया कि साहित्य का उद्देश्य केवल सौंदर्य और अलंकार तक सीमित नहीं है। अच्छी संगत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा, हमारी संगत अच्छी होगी, तो हमारे विचार अच्छे होंगे और विचारों से ही हमारा आचरण भी श्रेष्ठ होगा।

अपने जीवन के संघर्षों और यथार्थ को बयां करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन किताबी ज्ञान में दलित विमर्श का कहीं उल्लेख नहीं था। उन्होंने बताया, मैं जहां बैठकर पढ़ा, वह जगह जूते-चप्पल रखने की थी। मेरे पास न घर था, न माता-पिता थे; मैं बस स्टैंड पर सोता था। ऐसे व्यक्ति को 'सरस्वती सम्मान' मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि जीवन में सपने देखना जरूरी है, क्योंकि सपने ही आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं।

अन्याय के खिलाफ बगावत की शक्ति किताबों से मिलती है

अन्याय और अत्याचार के खिलाफ मुखर होते हुए प्रो. लिंबाले ने कहा कि जो लोग घर जलाते हैं अथवा छोटी बच्चियों पर अत्याचार और बलात्कार करते हैं, वे इंसान नहीं, बल्कि हैवान हैं। अन्याय के खिलाफ हमेशा बगावत करनी चाहिए और यह शक्ति किताबों से मिलती है। रूसी एवं फ्रांसीसी क्रांति का उदाहरण देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे केवल पाठ्यक्रम की पुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि हजारों किताबें पढ़ें, क्योंकि पुस्तकों का अध्ययन ही व्यक्ति को क्रांतिकारी बनाता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति का महत्व समझाते हुए कहा कि आप जिस भाषा में बोलते हैं, उसी भाषा में लिखें और स्वयं को साबित करें। उन्होंने कहा, मनुष्य विश्व से महान है, मनुष्य धर्मग्रंथों से भी महान है और मनुष्य ताजमहल से भी सुंदर है।

मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. डब्ल्यू. मायादेवी ने कहा कि प्रो. लिंबाले के साहित्य ने न केवल मराठी, बल्कि हिंदी साहित्य में भी बड़ी वैचारिक क्रांति ला दी है। उनका साहित्य संघर्षरत युवाओं को जीवन की राह दिखाने के साथ ही अन्याय के खिलाफ लिखने की असीम प्रेरणा देता है।

अपने व्यक्तिगत एवं अकादमिक अनुभव साझा करते हुए प्रो. मायादेवी ने भावुक होकर कहा, मैं स्वयं उनकी लेखनी से गहराई तक प्रेरित हूं। अपने शोध कार्य के दौरान जब मैंने हिंदी और मराठी आत्मकथाओं को अध्ययन का विषय बनाया था, तब उनकी सुप्रसिद्ध आत्मकथा 'अक्करमाशी' पढ़ी थी। उस रचना के मर्म और यथार्थ ने मुझे भीतर तक इतना झकझोर दिया कि उसे पढ़ते समय मैं कई बार रो पड़ी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कासिम ने की। उन्होंने इस वैचारिक आयोजन के लिए हिंदी विभाग की सराहना की। इस अवसर पर मराठी विभाग की अध्यक्षा प्रो. नम्रता बागड़े ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजय ने किया। अंत में हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. डब्ल्यू. मायादेवी, हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धर्मपाल पिहल, पाठ्यक्रम समिति (बीओएस) की अध्यक्षा डॉ. संगीता व्यास तथा सहायक आचार्य डॉ. अजय ने शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर मुख्य वक्ता प्रो. लिंबाले का सम्मान किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पिराजी ने किया तथा मुख्य वक्ता प्रो. लिंबाले, प्राचार्य प्रो. कासिम सहित सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा., गणेशीलालजी म.सा. एवं कुंदन ऋषिजी म.सा. की जन्म जयंती कोरा संघ में मनाई गई

हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्रावक संघ, कोरा, सिख विलेज, सिकंदराबाद में जैन दिवाकर, जगत वल्लभ एवं प्रसिद्ध वक्ता गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा., कर्नाटक गजकेसरी श्री गणेशीलालजी महाराज तथा महाराष्ट्र प्रवर्तक श्री कुंदन ऋषिजी महाराज की जन्म जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई।

संघ के मंत्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन दिवाकरीय श्रमण संघीय उपप्रवर्तनी महासती अर्चनाजी म.सा. 'मीरा' की सुशिष्या महासती श्री आगमश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-2 के पावन सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जैन दिवाकर गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा. के जीवन में घटित घटनाओं का नाटिका के माध्यम से सुंदर चित्रण किया गया। महासती श्री आगमश्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में जैन दिवाकर, जगत वल्लभ एवं प्रसिद्ध वक्ता गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा. के गुणों का बखान किया।

जैन दिवाकर संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री मदनलाल संचेती ने गुरुदेव की जीवनी पर प्रकाश डाला। दिवाकर संघ के वरिष्ठ सदस्य श्री महावीर कोठारी ने भजन के माध्यम से दिवाकरजी म.सा. के गुणों का गुणगान किया। अनूप लुणावत एवं संतोष कोठारी ने भी गुरुदेव पर आधारित स्तवन गीत प्रस्तुत किए। सभा का संचालन कोरा संघ के महामंत्री गौतमचंद मुथा एवं मंत्री अनिल तातेड ने किया।



गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा. की जन्म जयंती के साथ खद्दरधारी श्री गणेशीलालजी म.सा. तथा श्री कुंदन ऋषिजी म.सा. की जन्म जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर तीनों महापुरुषों के गुणों का स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई।

महासती आगमश्रीजी म.सा. आदि ठाणा के चातुर्मास काल में श्रीमती पुष्पा बाई लोढ़ा द्वारा की गई उल्लेखनीय सेवा के उपलक्ष्य में श्री संघ की ओर से उन्हें 'सेवा रत्न' से अलंकृत किया गया। चुनरी ओढ़ाकर उनका सम्मान एवं बहुमान किया गया।

श्री आनंद जैन युवा मंडल की ओर से आनंद भवन में स्टेनलेस स्टील की टेबल तथा एक कमरे में एसी भेंट किया गया। इस सेवा कार्य के लिए श्री संघ के पदाधिकारियों ने मंडल के अध्यक्ष विकास कटारिया, नीरज जैन, भारत मेहता एवं शेर तातेड का शॉल एवं माला पहनाकर सम्मान किया। पदाधिकारियों ने मंडल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अनुमोदना की।

गुरुदेव की जन्म जयंती के संपूर्ण कार्यक्रम के चांदी के सिक्कों एवं गौतम प्रसादी के लाभार्थी श्रीमान बीकमचंदजी-किशोरजी सुखानी परिवार का भी श्री संघ की ओर से बहुमान किया गया।

जन्म जयंती समारोह में जैन दिवाकर चौथमलजी, गणेशीलालजी एवं कुंदन ऋषिजी के नामों से तैयार विशेष माला आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में पधारे सभी श्रावक-श्राविकाओं को वापसी उपहार भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात गौतम प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें 200 से अधिक गुरु भक्तों ने भाग लिया। बाहरगांव से भी नासिक एवं जालना सहित विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे।

महामंत्री गौतमचंद मुथा एवं मंत्री अनिल तातेड ने बताया कि आगामी 22 नवंबर को सुबह 9 बजे से महासतीजी का विदाई एवं बधाई समारोह तथा लोकाशाह जयंती मनाई जाएगी। कार्यक्रम के पश्चात श्री संघ की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन भी रहेगा। दोनों पदाधिकारियों ने सभी श्रावक-श्राविकाओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.